RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 344 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 12-07-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 अस्पतालों की विशेषज्ञों से जांच करवाए केंद्र सरकारः गहलोत

6 बाधाओं से टकराकर भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादियों का किया खात्मा

7 उन्होंने कभी टूटने नहीं दिया हौसला, हमेशा कहा- रुकना मत : हेमा

फर्स्ट टेक

वरिष्ठ पार्श्व गायिका एस. जानकी का निधन

मैसूर। दिग्गज पार्श्व गायिका एस. जानकी का शनिवार को मैसुरु के एक निजी अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वह 88 वर्ष की थीं। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एस. जानकी ने मुख्य रूप से कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में 48,000 से अधिक गीत गाए। करीब छह दशक लंबे संगीत करियर में उन्होंने फिल्मों, एल्बमों, टेलीविजन और रेडियो के लिए लगभग 20 भारतीय भाषाओं में गीत गाए, इनमें हिंदी, ओड़िया, तुलु, उर्दू, पंजाबी और बांग्ला भाषाएं शामिल हैं।

पाकिस्तानी आतंकवादी शहजाद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नयी दिल्ली।राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को पाकिस्तानी आतंकवादी शहजाद भट्टी समेत आठ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। यह मामला इस साल जनवरी में हरियाणा के अंबाला में बलदेव नगर पुलिस थाने के पार्किंग क्षेत्र में हुए आईईडी कार बम धमाके से जुड़ा है। एनआईए ने एक बयान में कहा कि पंचकूला की विशेष एनआईए अदालत में दाखिल आरोपपत्र में पाकिस्तानी नागरिक भट्टी के अलावा भारतीय नागरिकों – करमजीत सिंह उर्फ ङ्कङ्कटोनी, आकाश, सौरव उर्फ ङ्कङ्कसोबी, रमन कुमार, सत्यम, सुखदेव सिंह उर्फ सुक्खा और अमरजीत सिंह उर्फ अंबी के नाम शामिल हैं।

वायनाड भूस्खलन : 70 सदस्यीय टीम लापता कर्मचारी की तलाश आज फिर से शुरू करेगी

वायनाड। कल्लाडी में सुरंग परियोजना स्थल पर सात जुलाई को हुए भूस्खलन के बाद शनिवार को तलाश अभियान का पांचवां दिन था, लेकिन एक लापता व्यक्ति का अब तक पता नहीं चल सका है। इसलिए, यह अभियान 12 जुलाई को भी जारी रहेगा। जिला प्रशासन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लापता व्यक्ति हिमाचल प्रदेश का मूल निवासी है। वायनाड और कोझिकोड जिलों को जोड़ने के उद्देश्य वाली अनाक्कमपोयिल–मेप्पाडी सुरंग परियोजना स्थल पर हुए भूस्खलन में सात लोगों की जान चली गई, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है। हिमाचल प्रदेश के रहने वाले प्रबंधक विक्रम राणा का अभी तक पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, पुलिस के विशेष अभियान समूह और अग्निशमन कर्मियों वाली 50 लोगों की एक टीम ने पास की मीनाक्षी नदी के छह किलोमीटर के हिस्से में लापता कर्मचारी को तलाश किया।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व है और वह दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। मोदी ने ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के 'किया ओरा मोदी' नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे। मोदी ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस तेज गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। भारत ड्रोन प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में नयी ऊंचाइयां छू रहा है। इस दौरान लोगों ने तालियां बजाईं और मोदी–मोदी के नारे लगाए। मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य एक–दूसरे से जुड़ा हुआ है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा को गति देगा। भारत और न्यूजीलैंड के भविष्य को आपस में जुड़ा बताते हुए मोदी ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौता एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा को गति देगा।

मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र खुद भारत और न्यूजीलैंड के बीच आर्थिक साझेदारी की अपार संभावनाओं को दिखाता है। उन्होंने भारतीय समुदाय के 10,000 से ज्यादा लोगों की सभा को संबोधित करते हुए कहा, हमारे व्यापार समझौते में भी यही भावना झलकती है। यह समझौता विकसित भारत की ओर हमारे सफर को तेज करेगा। इससे भारत और न्यूजीलैंड, दोनों देशों में कारोबार के लिए नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा, यह नए भारत की तस्वीर है, जो दिखाती है कि भारत न्यूजीलैंड की तरह ही पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था, दोनों के बीच संतुलन बनाए रख रहा है। अपने तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच एक और अहम समानता है।

उन्होंने कहा, अपनी मूल संस्कृतियों का जश्न मनाना और उन्हें संरक्षित करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है। पिछले 40 वर्ष में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को एक मफलर दिखाया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले करीब 25–30 वर्ष पूर्व जब वह न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह उपहार में मिला था। उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच संबंध सुखद यादों, अटूट दोस्ती, साझा मूल्यों और आपसी प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। मोदी ने कहा, न्यूजीलैंड की संस्कृति का एक सुंदर शब्द इस रिश्ते की असल भावना को दर्शाता है 'वाका'। सदियों से, यह शब्द लोगों को एक साथ लाने का प्रतीक रहा है। 'वाका' सिर्फ एक नाव नहीं है, बल्कि यह एक साझा सफर का प्रतीक है। आज, भारत–न्यूजीलैंड की 'वाका' एक नयी यात्रा पर साथ निकलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, भारत और न्यूजीलैंड के सामने अवसरों का एक विशाल सागर है।

मोदी ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष लक्सन, सरकारी अधिकारियों और लेबर पार्टी के सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी मौजूदगी भारत–न्यूजीलैंड संबंधों के लिए दोनों पार्टियों के मजबूत समर्थन को दर्शाती है। उन्होंने कहा, यह कीवी–भारतीय समुदाय की शानदार उपलब्धियों का भी प्रमाण है। मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड के स्थानीय लोगों ने भारतीय समुदाय को अपना लिया है। उन्होंने एयर न्यूजीलैंड के सीईओ निखिल रवि शंकर, गवर्नर जनरल आनंद सत्यानंद और क्रिकेटर रचिन रवींद्र जैसी कामयाब हस्तियों का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा, न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह है, जहां सड़कों पर भी भारतीय शहरों का सम्मान किया गया है। उन्होंने कहा, हर दौर में भारत ने खुद को बदला है... और इसकी वजह यह है कि भारत हमेशा दूसरों से सीखने के लिए तैयार रहता है। हमारे लिए किसी देश की आबादी का आकार मायने नहीं रखता, बल्कि अपने लोगों की भलाई के प्रति उसकी प्रतिबद्धता मायने रखती है; और इसीलिए, हमने न्यूजीलैंड से बहुत कुछ सीखा है और अब भी उससे सीख रहे हैं।

> अपनी मूल संस्कृतियों का जश्न मनाना और उन्हें संरक्षित करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है। पिछले 40 वर्ष में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को एक मफलर दिखाया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले करीब 25-30 वर्ष पूर्व जब वह न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह उपहार में मिला था।

वियतनाम में नौका पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत

हनोई।वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास शनिवार को एक नौका (स्पीडबोट) पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि की।ङ्कङ्कदूतावास के अनुसार, नाव में 32 भारतीय पर्यटकों और स्थानीय चालक दल के चार सदस्यों सहित कुल 36 लोग सवार थे। इनमें से 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।ङ्कङ्कवियतनाम सरकार ने दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए तुरंत जांच के आदेश दिए।ङ्कङ्कफू क्वोक, वियतनाम का सबसे बड़ा द्वीप है और अपने सफेद रेतीले समुद्र तटों, प्रवाल भित्तियों तथा द्वीप भ्रमण के कारण प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। बताया गया है कि ये पर्यटक द्वीप भ्रमण से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

वियतनामी समाचार पोर्टल 'वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल' के अनुसार, स्पीडबोट 'होन मे रूट नगोआई' द्वीप से

लगभग 400 मीटर दूर पलट गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद पर्यटक नौकाएं यात्रियों को बचाने के लिए पहुंचीं। बाद में सीमा सुरक्षा बल, नौसेना, तटरक्षक बल और अन्य एजेंसियों ने संयुक्त रूप से व्यापक खोज एवं बचाव अभियान चलाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ यात्री पलटी हुई नाव के अंदर ही फंस गए थे, जिससे बचाव अभियान में काफी कठिनाई आई।ङ्कङ्कस्थानीय मीडिया के अनुसार, दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी 15 पर्यटकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मरने वाले 15 लोगों में से 10 तमिलनाडु से, तीन आंध्र प्रदेश से और दो केरल से थे।ङ्कङ्कहनोई में भारतीय दूतावास की ओर से 'एक्स' पर साझा की गई सूची के मुताबिक, मरने वालों में दो महिलाएं भी शामिल थीं।

सूची के अनुसार, तमिलनाडु के मृतकों की पहचान सेंथिल कुमार जयवेल, मुरुगा प्रभु अरुमुगम, श्रीधर सुंदरराजन, शेख अब्दुल्ला अब्दुल मजीद, बालाजी नटेसन, विनय कुमार चिथिरापुरम भास्कर, रविशंकर सुकुमारन, संतोष कुमार शांतिलाल जैन, बाबू कुप्पुस्वामी और अलगुराजन शिवसामी के तौर पर हुई है।ङ्कङ्कआंध्र प्रदेश के मृतकों की पहचान नल्लापेटा आदिशेषैया रवितेजा, श्रीधर मुडियम और जया लक्ष्मी गेल्ली के तौर पर हुई, जबकि केरल के मृतकों की पहचान एविकोट चेरियन थॉमस और लोवेनी थॉमस के तौर पर की गई।

लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी फर्जी निकली

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने शनिवार को वहां सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परिसर की व्यापक तलाशी के बाद यह धमकी फर्जी पाई गई। सूत्रों के अनुसार, मुंबई पुलिस के नियंत्रण कक्ष में एक फोन कॉल आया था, जिसमें कॉल करने वाले ने दावा किया कि दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित लाल किले को बम से उड़ा दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मुंबई पुलिस ने तत्काल यह सूचना दिल्ली पुलिस के नियंत्रण कक्ष को दी, जिसके बाद संबंधित जिले की पुलिस को सतर्क कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि चेतावनी मिलने के बाद लाल किले और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई तथा स्मारक और उसके आसपास के इलाके की तलाशी ली गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के नेता प्रतिपक्ष से वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑकलैंड/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड के नेता प्रतिपक्ष क्रिस हिपकिंस से शनिवार को मुलाकात की और दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों समेत द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे हैं। यह पिछले 40 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली यात्रा है। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड के नेता प्रतिपक्ष क्रिस हिपकिंस से मुलाकात की। हिपकिंस न्यूजीलैंड लेबर पार्टी के नेता और रेमुताका से सांसद हैं। मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार और दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंधों समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भविष्य के युद्ध सिर्फ एआई से नहीं, बल्कि संकल्प और सैनिकों के दम पर जीते जाएंगे: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से लड़े जा सकते हैं, लेकिन उनमें जीत अब भी राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और मजबूत सैन्य शक्ति के दम पर ही हासिल होगी। यहां आईएनएस 'महेंद्रगिरि' को नौसेना में शामिल किए जाने के समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश भारत के रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण के नए शक्ति केंद्र के रूप में उभरा है।

रक्षा आधुनिकीकरण के प्रति सरकार के संतुलित नजरिए पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि भारत अगली पीढ़ी की तकनीकों में निवेश कर रहा है और साथ ही पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को भी मजबूत कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पारंपरिक और आधुनिक क्षमताओं के प्रभावी एकीकरण के उदाहरण के तौर पर 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, भविष्य के युद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से लड़े जा सकते हैं, लेकिन उनमें जीत राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और सक्षम सैन्य शक्ति से ही हासिल होगी। इसलिए मैं कहूंगा कि नयी प्रौद्योगिकियां और पारंपरिक रक्षा प्रणालियां एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक–दूसरे के पूरक हैं और एक–दूसरे को पूर्ण बनाते हैं। पारंपरिक प्रणालियों के बिना नयी प्रौद्योगिकियां अपने आप में अधूरी हैं।

> भविष्य के युद्ध कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से लड़े जा सकते हैं, लेकिन उनमें जीत राष्ट्रीय संकल्प, प्रशिक्षित सैनिकों और सक्षम सैन्य शक्ति से ही हासिल होगी। इसलिए मैं कहूंगा कि नयी प्रौद्योगिकियां और पारंपरिक रक्षा प्रणालियां एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं और एक-दूसरे को पूर्ण बनाते हैं।

मेरे सब्र को कमजोरी न समझा जाए : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्र से कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में उनके सब्र को उनकी कमजोरी न समझा जाए। उन्होंने 'उपयुक्त समय' की परिभाषा स्पष्ट करने की भी मांग की। उमर अपनी दादी अकबर जहां की 26वीं पुण्यतिथि के मौके पर हजरतबल में अपने दादा–दादी की मजार पर कार्यकर्ताओं के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में कश्मीर से पार्टी के वरिष्ठ नेता, सांसद, मंत्री और विधायक शामिल हुए, जबकि (कश्मीर) घाटी के अलग–अलग हिस्सों और दूर–दराज के इलाकों से कार्यकर्ता आए थे। उमर अब्दुल्ला ने सवाल किया कि अगर केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों से बात करने को तैयार है, तो जम्मू कश्मीर के लोगों से क्यों नहीं।

अपनी दादी को श्रद्धांजलि देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा है, लेकिन सबसे बड़ी सीख धैर्य रखना है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें धैर्य रखना होगा –– जैसा कि उन्होंने रखा था। धैर्य रखना कमजोरी नहीं है और इसका मतलब यह भी नहीं कि हम चुप रहें।

देश का भविष्य पुस्तकालयों में जुटने वाले युवाओं की संख्या से आंका जा सकता है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में लोकनायक जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया और कहा कि किसी देश के भविष्य का आकलन उसकी आर्थिक प्रगति से अधिक इस बात से किया जा सकता है कि उसके पुस्तकालय कितने आबाद हैं और वहां कितने युवा पढ़ने आते हैं। शाह ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, यदि किसी देश के भविष्य का आकलन करना हो तो यह उसकी कृषि समृद्धि, बाजारों की चहल–पहल या उद्योगों की संख्या देखकर नहीं किया जा सकता। इसका आकलन इस आधार पर किया जा सकता है कि उसके पुस्तकालय कितने भरे रहते हैं और वहां युवा आते हैं या नहीं।

उन्होंने कहा कि ज्ञान और विवेक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं तथा पुस्तकालय दोनों के संवर्धन में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। शाह ने कहा, जो गतिविधियां किसी राष्ट्र को आगे बढ़ाती हैं और उसे समृद्ध बनाती हैं, उनकी जड़ें ज्ञान और विवेक में होती हैं।

और यह ज्ञान केवल पुस्तकालयों से ही प्राप्त होता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने पुस्तकालय प्रशासन से आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों से संपर्क स्थापित करने का आग्रह करते हुए कहा कि युवाओं में पढ़ने की आदत को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

विपक्ष जाति के आधार पर लोगों को बांट है रहीं : आदित्यनाथ

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को कमजोर करने और राजनीतिक लाभ के लिए समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सत्ता में रहते हुए विकास को बढ़ावा देने में विफल रही हैं।

गोरखपुर के पिपराइच विधानसभा क्षेत्र में 757 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत वाली 24 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र बांटने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास ही खुशहाली की कुंजी है और उन्होंने समाज को बांटने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी दी।

सूर्यास्त	सूर्योदय
12-07-2026 6:39 बजे	13-07-2026 5:51 बजे

BSE	NSE
77,569.39 (+827.57)	24,206.90 (+244.11)

सोना	चांदी
15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	230,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

होता चुनाव में सदा शुरू,
तू–तू मैं–मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

सहज स्मृति योग

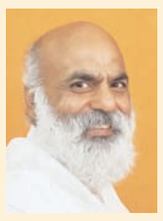

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आपने वर्तमान समय में जागृत अस्मिता की आर्त, अर्थार्थी, जिज्ञासु, ज्ञानी, साधक, आराधक, सिद्ध , इष्ट, भक्त और शिष्य ये दस अवस्थाएँ दर्शाई हैं । कृपया मुझे यह बतलाइए कि, इन अवस्थाओं की प्राप्ति क्या केवल तपस्या से ही होती है ? तप की भूमिका क्या है ? तप में बाधा क्या है ?

उत्तर: शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान ये पाँच नियम हैं तथा सत्य, आस्तेय, अहिंसा, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य पाँच यम हैं यम नियमों से निश्रित हैं। तत्पश्चात् यम नियम अन्योन्याश्रित हैं। इनमें से एक का भी पालन करने पर अन्य स्वतः पालित होने लगते हैं । और इन सब की पालना से गुरु की प्राप्ति होती है । सत्संग और गुरु कृपा से इनकी ओर झुकाव होता जाता है। यह योग की प्रत्यक्ष अनुभव में आने वाली महिमा है। अवस्थाओं की पात्रता में तो गुरु कृपा ही मूल में है। पर, आप ने तो केवल तप के बारे में पूछा है इसलिए वही सुनिए। अनवरत आत्मवाणी सुनते हुए चरित्र अर्थात् मन,वचन, कर्म से उसका नित्य जीवन व्यवहार में क्रियान्वयन करते जाना ही तप है। यही तप की भूमिका है। तप में मुख्य बाधा भ्रमीभूत होकर मन की बात को ही आत्मा की वाणी समझ लेना है। आत्मवाणी तो स्वांत:सुख अवस्था की प्राप्ति के उपरांत ही स्व में झलकती है।और, स्व, मन में दर्पित होता है। लेकिन, तब यह स्व वह स्व नहीं रह जाता और, तद्जनित मन भी वही मन नहीं रह जाता जिसमें हम और मैं , में अंतर बना रहता था।अब मन; ब्रह्मन्न और स्व; वैश्वानर हो गया होता है।

वैश्विक गतिशीलता के भविष्य के लिए ब्रिक्स देशों के बीच गहरे सहयोग की जरूरत : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को ब्रिक्स देशों से ऐसी परिवहन प्रणाली बनाने के लिए और ज्यादा सहयोग करने का आह्वान किया जो टिकाऊ, मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार हों।

उन्होंने कहा कि इस समूह की सामूहिक ताकत नवोन्मेष, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के जरिए वैश्विक गतिशीलता के भविष्य को आकार देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। ब्रिक्स सदस्य देशों के परिवहन मंत्रियों, प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए गडकरी ने बैठक को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता, जिसका विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है, 'वसुधैव कुटुंबकम' के शाश्वत दर्शन से प्रेरित एक जन-केंद्रित, मानवता सर्वोपरि दृष्टिकोण को दर्शाती है। गडकरी ने ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए कहा, ब्रिक्स विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्वच्छ, सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक कुशल परिवहन प्रणालियों के विकास का नेतृत्व करने के साथ-साथ सतत आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में सक्षम है।

दतिया उपचुनाव : मिश्रा समर्थकों के बवाल के बीच विजयवर्गीय ने प्रत्याशी बदलने की अटकलें खारिज कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित किए जाने पर पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों के बवाल के बीच राज्य के काबीना मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कहा कि टिकट घोषित होने के बाद उसे बदलने की पार्टी में कोई परंपरा नहीं रही है।

विजयवर्गीय ने संवाददाताओं से कहा,भाजपा में लोकतंत्र है। पार्टी कार्यकर्ता अपनी अभिव्यक्ति करते हैं, लेकिन वे इतने अनुशासित हैं कि एक बार उनसे बैठकर बात कर ली जाएगी, तो सब मान जाएंगे और तिवारी भारी मतों से जीतेंगे। मैं अभी से इसकी भविष्यवाणी करता हूं। वैसे उनकी मिश्रा से अभी बात नहीं हो सकी है, लेकिन वह भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं तथा पार्टी के निर्णय का सम्मान करेंगे। काबीना मंत्री ने कहा,बहुत लोग चुनाव लड़ने की तैयारी करते हैं, लेकिन सभी को टिकट नहीं मिल सकता। पार्टी का निर्णय सर्वोपरि है और उसका सब कार्यकर्ता पालन करेंगे। विजयवर्गीय ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा का उम्मीदवार बदले जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा,देखिए, एक बार उम्मीदवार घोषित होने के बाद भाजपा में कभी परंपरा नहीं रही है कि टिकट बदला जाए। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस प्रकार टिकट बदलेगा। भाजपा ने शुक्रवार को तिवारी को अपना उम्मीदवार घोषित किया था जिसके बाद मिश्रा के समर्थकों में नाराजगी फैल गई।

एफसीआरए संशोधन का उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना है : राजीव चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) में किए गए संशोधनों का उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना है तथा ये ''किसी धर्म या समुदाय के खिलाफ नहीं हैं।''

चंद्रशेखर ने फेसबुक पर एक पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने 'कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया' (सीबीसीआई) द्वारा उठाई गई चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और एफसीआरए के संबंध में विस्तृत स्पष्टीकरण दिया।

उन्होंने शुक्रवार को फेसबुक पर साझा की गई पोस्ट में कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और वह स्वयं इन संशोधनों को लेकर उत्पन्न चिंताओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ चर्चा कराने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एफसीआरए वर्ष 2010 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था और मौजूदा राजग सरकार ने केवल इसमें संशोधन किए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन संशोधनों का पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव इफेक्ट) नहीं होगा, जिससे मौजूदा परिसंपत्तियों से जुड़ी चिंताओं का समाधान हो गया है।

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पेशेवरों की भारी कमी, इसका लाभ उठाए आईटी उद्योग : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दुनिया भर में 10 लाख पेशेवरों की कमी का अनुमान है और देश के आईटी उद्योग को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।

आईटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेमीकंडक्टर उद्योग पर खास जोर देने की वजह से, अभी 12 संयंत्र अलग-अलग चरण में हैं, और उनमें से तीन में चिप बनाने का काम शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि जापान, अमेरिका और यूरोप को चिप निर्यात किए जा रहे हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री वैष्णव ने कहा, ''लोग कहते हैं कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दुनिया भर में लगभग दस लाख पेशेवरों की कमी है।'' उन्होंने कहा कि देश का आईटी उद्योग इस मौके का बड़े पैमाने पर फायदा उठा सकता है, क्योंकि उसे पता है कि कैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र में पूरी तरह से नए समाधान डिजाइन और विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि उद्योग को समर्थन देने के लिए केंद्र ने 315 विश्वविद्यालयों को सबसे आधुनिक सेमीकंडक्टर 'डिजाइन टूल' उपलब्ध कराए हैं।

एफएसएसएआई ने स्विगी इंस्टामार्ट को खराब खाद्य उत्पादों की आपूर्ति पर नोटिस भेजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने शनिवार को कहा कि उसने सड़े-गले और उपयोग अवधि समाप्त हो चुके खाद्य उत्पादों की आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित आपूर्ति मंच स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत उल्लंघन की शिकायतें मिलने के बाद स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं।

इस बीच, ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति कंपनी स्विगी के त्वरित आपूर्ति मंच इंस्टामार्ट के प्रवक्ता ने कहा, हम एफएसएसएआई द्वारा चिह्नित उत्पादों की समीक्षा कर रहे हैं और मामले के समाधान के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं। एफएसएसएआई ने मंच को विस्तृत स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

खाद्य नियामक ने कहा कि उपभोक्ताओं ने स्विगी इंस्टामार्ट के माध्यम से उपयोग अवधि समाप्त हो चुके (एक्सपायर), खराब, दूषित और अन्य असुरक्षित खाद्य उत्पादों की आपूर्ति की शिकायतें की हैं।

बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस ने नगर पालिका 'घोटाले' का पैसा अपने रेस्तरां में लगाया : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस नेता सुजीत बोस के खिलाफ दाखिल किए गए ताजा आरोपपत्र में दावा किया है कि उन्होंने कथित नगरपालिका भर्ती घोटाले से प्राप्त अवैध धन अपने चीनी रेस्तरां और अन्य आतिथ्य कारोबार में लगाया। ईडी ने मई में सुजीत बोस को गिरफ्तार किया था। वह अभी कोलकाता की जेल में बंद हैं।

शनिवार को एक बयान में, संघीय एजेंसी ने कहा कि उसने 9 जुलाई को कोलकाता की एक विशेष पीएमएलए (धन शोधन रोकथाम अधिनियम) अदालत में बोस (जो अग्निशमन और आपात सेवा विभाग के पूर्व मंत्री हैं), उनके बेटे समुद्र बोस, आईएएस अधिकारी और स्थानीय निकायों के पूर्व निदेशक ज्योतिष्मान चट्टोपाध्याय और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। बयान में ईडी ने दावा किया कि दक्षिण दमदम नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष बोस ने नगर निकाय में अलग-अलग पदों के लिए 340 उम्मीदवारों की ''गैर-कानूनी'' तौर पर सिफारिश की थी, और उनमें से 284 को 2014-22 के दौरान नौकरी मिल गई।

ईडी का दावा है कि अयोग्य उम्मीदवारों से जो पैसे मिले, उन्हें शुरू में सुजीत बोस के मालिकाना हक वाली कंपनी 'चाइनीज क्रिजीन रेस्टोरेंट' में लगाया गया। रेस्तरां का कारोबार बहुत कम होने के बावजूद, इन पैसों को वैध नकद बिक्री के तौर पर दिखाया गया।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के दाहिने कंधे की मुंबई में सर्जरी हुई

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की शनिवार को मुंबई के एक अस्पताल में दाहिने कंधे की सर्जरी हुई। जनसेना पार्टी ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। इससे पहले हुई मेडिकल जांच के दौरान चिकित्सकों ने पाया था कि अभिनेता से नेता बने कल्याण के दोनों कंधों की मांसपेशियों में गंभीर चोटें आई हैं। पार्टी ने कहा, (उपमुख्यमंत्री के) दाहिने कंधे का शनिवार को ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में साढ़े तीन घंटे लगे। बायें कंधे का ऑपरेशन दो महीने के अंतराल पर होगा। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कल्याण के पूर्ण रूप से और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं।''

भाजपा नेशनल कांफ्रेंस में विभाजन कर जम्मू कश्मीर की सरकार गिराने की कोशिश कर रही है : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) में फूट डालकर उनकी सरकार गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। अब्दुल्ला ने अपनी दादी अकबर जहां की 26वीं पुण्यतिथि पर हजरतबल में अपने दादा-दादी के मजार पर कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। अब्दुल्ला ने दावा किया, ''नेशनल कांफ्रेंस को तोड़ने की कोशिशें की जा रही हैं। पैसे और मंत्री पद का लालच काम न आने पर भाजपा अब बंद दरवाजों के पीछे मेरे विधायकों से कह रही है कि हमारे साथ आ जाओ और हम तुम्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।''

मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि जम्मू के एक नेकां विधायक ने उन्हें बताया कि उन्हें भाजपा खेमे में शामिल होने के लिए 30 करोड़ रुपये और मंत्री पद की पेशकश की गई थी। उन्होंने कहा, ''भगवान गवाह है कि जम्मू के एक विधायक ने मुझे बताया कि भाजपा के एक पदाधिकारी ने - जो उच्चतम न्यायालय के वकील भी हैं - उनसे समर्थन मांगा और बदले में 20-30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने की पेशकश की। उन्हें लगता है कि लोगों का भरोसा इतना कमज़ोर है।'' अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस के विधायक खुद को नहीं बेचेंगे। एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रु. के लिए अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि हम जानते हैं कि हमें भगवान को जवाब देना है। अब्दुल्ला ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, यह मत सोचिए कि हम इतने कमज़ोर हैं कि आप पिछले दरवाज़े से सत्ता पर काबिज हो जायेंगे।

पलामू में 14 लड़कियों समेत 27 नाबालिग बच्चों को बचाया गया

मेदिनीनगर (झारखंड)। धान की रोपाई के लिए कथित तौर पर बिहार के सासाराम ले जाए जा रहे 27 नाबालिग बच्चों को झारखंड के पलामू जिले में मुक्त कराया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुक्त कराए गए 27 बच्चों की उम्र 12 से 16 वर्ष के बीच है। इनमें 14 लड़कियां भी शामिल हैं। विश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) चिरंजीवी मंडल ने बताया कि पलामू की जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) ने पुलिस को बच्चों के बारे में सूचना दी और उन्हें मुक्त कराने में सहयोग मांगा। मंडल ने कहा, ''सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शुक्रवार देर शाम पड़वा थाना क्षेत्र से 14 बच्चों और नावाबाजार थाना क्षेत्र से 13 बच्चों को मुक्त कराया।''

गिरनार पहाड़ी पर शेर के हमले में 11 साल के लड़के की मौत

जूनागढ़/भाषा। गुजरात के जूनागढ़ ज़िले में शनिवार तड़के गिरनार पहाड़ी पर परिवार के साथ चढ़ाई करते समय एक 11 साल के लड़के की शेर के हमले में मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले के बाद एक शेर को पकड़ लिया गया है, जबकि इलाके में देखे गए दो अन्य शेरों की तलाश जारी है। गिरनार एक तीर्थ स्थल है और यहां पहाड़ी की चोटी पर कई धार्मिक स्थल हैं। जूनागढ़ के कलेक्टर योगेश चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मयूर चौहान नाम का लड़का अपने परिवार के साथ पहाड़ी पर चढ़ाई कर रहा था, तभी सुबह पांच से छह बजे के बीच सीढ़ियों के पास एक शेर हमला करके उसे खींच ले गया। बाद में उसके अवशेष बरामद किए गए जो परिवार को सौंप दिए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीढ़ियों के पास तीन शेर देखे गए थे। अधिकारी ने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों ने उनमें से एक शेर को पिंजरे में बंद कर दिया है और बाकी दो का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिस सीढ़ी वाले मार्ग पर हमला हुआ था, उसे एहतियातन अस्थायी रूप से आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है और श्रद्धालुओं को पुराने मार्ग से भेजा जा रहा है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में त्रुटियों की आपराधिक जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में बड़े पैमाने पर पाई गई त्रुटियों की आपराधिक जांच के आदेश दिए।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, इस घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निदेशक को अपराध शाखा के पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कहा है।

एससीईआरटी वह राज्य एजेंसी थी, जिसने ये पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की थीं और राज्य भर में 40 लाख से अधिक छात्रों के बीच इन्हें वितरित किया गया था। कक्षा एक से आठ तक के छात्रों की 55 पाठ्यपुस्तकों में 1,600 से अधिक त्रुटियां पाई गईं, जिनमें वैज्ञानिक आइजैक न्यूटन को पायलट बताना भी शामिल है। एक निजी बैठक में, मुख्यमंत्री ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को बदनाम करने के इरादे से की गई ऐसी गलतियों के पीछे किसी 'साजिश' की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्हें यह शक इसलिए हुआ, क्योंकि गलतियों की संख्या असामान्य रूप से अधिक थी, जिनमें जगहों के गलत नाम और तथ्यों से जुड़ी गलतियां शामिल थीं।

भाजपा सरकार में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का पर्याय बना, प्रधानमंत्री मौन हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह ने जवाबदेही की धारणा को सत्ता के अहंकार तले रौंद दिया है। उन्होंने दावा किया कि मध्यप्रदेश में एथेनॉल के नाम पर 1,200 करोड़ रुपये का चावल घोटाला सामने आया है तथा राज्य में व्यापमं से शुरू हुई लूट एवं भ्रष्टाचार के अनगिनत मामलों के बावजूद यह सिलसिला थमा नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष के आरोप पर मध्यप्रदेश सरकार या भाजपा ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक घोटाला खत्म नहीं होता, दूसरा सामने आ जाता है। अब एथेनॉल के नाम पर 1200 करोड़ रुपये का चावल घोटाला सामने आया है। जिस चावल को कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए इस्तेमाल होना था, उसी चावल को मुनाफे के खेल में घुमाया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, पांच लाख मीट्रिक टन चावल, राइस मिलरों, एथेनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में भ्रष्टाचार के इस खेल का हिस्सा बना दिया गया। भाजपा और सरकारी तंत्र की मिलीभगत से जनता के हक के अनाज पर डाका डाला जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया,इसके पहले जमीनों के मामले में बड़ा घोटाला सामने आया। उज्जैन में उन्हीं इलाकों में जमीनों का विस्तार हुआ, जहां सरकारी बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं और राजमार्ग प्रस्तावित थे। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव के ऊपर ही सवालिया निशान खड़े हुए।

खरगे ने कहा, ''हर तरफ, हर विभाग में लूट और अपनी जेबें भरने का खेल, यही भाजपा की सत्ता की लूट की कहानी है।'' उन्होंने दावा किया, ''व्यापमं से शुरू हुई यह लूट, अनगिनत पेपर लीक, भ्रष्टाचार के अनगिनत मामलों के बावजूद आज भी थमी नहीं है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''भाजपा ने मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार का मॉडल बना दिया है और मोदी जी हर बार की तरह बस मौन साधे बैठे रहते हैं। सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही की धारणा को मोदी-शाह ने सत्ता के अहंकार तले रौंद दिया है।''

आधार-पैन का दुरुपयोग कर 1.6 करोड़ तक ऋण धोखाधड़ी, एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने करीब 50 लोगों के आधार और पैन विवरण का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी से लगभग 1.6 करोड़ रुपये का ऋण हासिल करने वाले साइबर ठगी गिरोह के एक कथित सदस्य को पंजाब से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार आरोपी अजय कुमार (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि मामला तब सामने आया, जब दिल्ली के एक व्यक्ति ने 25 जून को शिकायत दर्ज कराई कि उसे एक 'लोन रिकवरी एजेंट' के फोन आ रहे हैं और वह एजेंट उससे 4.5 लाख रुपये के वैयक्तिक ऋण की किस्त चुकाने की मांग कर रहा है, जबकि उसने ऐसा कोई ऋण लिया ही नहीं था। पुलिस के अनुसार बाद में, शिकायतकर्ता को पता चला कि उसके पैन विवरण का इस्तेमाल कर एक कंपनी से उसके नाम पर धोखाधड़ी से ऋण लिया था। उसे यह भी पता चला कि उसकी जानकारी के बिना उसके आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर बदल दिया गया है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान ऋण की राशि का संबंध अजय कुमार द्वारा संचालित एक बैंक खाते से मिला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी अजय को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी के अनुसार, पूछताछ के दौरान अजय ने कथित तौर पर बताया कि वह ऐसे नेटवर्क का हिस्सा था, जो धोखाधड़ी से हासिल ऋण की रकम उन लोगों के बैंक खातों में भेजता था, जो कमीशन के बदले अपने खाते इस्तेमाल करने देते थे। पुलिस के मुताबिक गिरोह निजी वित्तीय कंपनियों से ऋण लेने से पहले पीड़ितों के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर कथित रूप से बदल देता था और फिर उनके आधार एवं पैन विवरण का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि निजी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से करीब 1.6 करोड़ रुपये का ऋण हासिल करने के लिए लगभग 50 लोगों के दस्तावेजों का दुरुपयोग किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने, अन्य म्यूल खातों' की पहचान करने और पूरे धोखाधड़ी नेटवर्क का खुलासा करने के प्रयास जारी हैं।

बेटे के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए लंदन रवाना हुए उदयनिधि स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा इकाई के सचिव उदयनिधि स्टालिन ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में अपने बेटे इनबनिधि के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए शनिवार को यहां से लंदन रवाना हो गए। पार्टी ने यह जानकारी दी।

द्रमुक के प्रवासी भारतीय (एनआरआई) प्रकोष्ठ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''एक जिम्मेदार और स्नेही पिता के रूप में विपक्ष के नेता अपने बेटे के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए लंदन रवाना हुए हैं।'' हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार उदयनिधि स्टालिन सुबह चेन्नई-दुबई-लंदन उड़ान से रवाना हुए। सूत्रों ने बताया कि उदयनिधि के पिता और द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन तथा उनकी माता दुर्गा स्टालिन पहले ही इस समारोह में शामिल होने के लिए ब्रिटेन पहुंच चुके हैं।

करूर भगदड़ पर मुख्यमंत्री विजय के रवैये को लेकर द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता वी. सेंथिल बालाजी ने करूर में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए पिछले साल 27 सितंबर को हुई भगदड़ की घटना से निपटने के टीवीके प्रमुख के तरीके पर सवाल उठाए।

बालाजी ने पूर्ववर्ती सरकार को पीड़ितों का ''सच्चा मददगार'' बताया और मौजूदा मुख्यमंत्री पर दुख की घड़ी में अपने ही समर्थकों को ''बेसहारा छोड़ने'' का आरोप लगाया। द्रमुक नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पूछा, ''पिछले साल 27 सितंबर को हुई उस दर्दनाक घटना के दौरान करूर के मेरे प्यारे लोगों को बचाने के लिए जमीन पर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कौन खड़ा था? मेरे करूर परिवार की मदद के लिए दिन-रात बिना सोए सबसे आगे रहकर किसने काम किया?'' उन्होंने याद दिलाया कि भगदड़ की खबर मिलते ही तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन तुरंत करूर पहुंचे थे।

बालाजी ने दावा किया कि द्रमुक नेतृत्व ने शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना देने के लिए चौबीसों घंटे काम किया और घायलों को दिए जा रहे उन्नत चिकित्सा उपचार की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की। उनके अनुसार, इन प्रयासों से अनगिनत लोगों की जान बचाई गई। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान जब बड़ी संख्या में लोग बेहोश हो रहे थे, तब विजय ने पानी की एक बोतल फेंकी, एम्बुलेंस बुलाने को कहा और बेरुखी से अपना भाषण जारी रखा।

उन्होंने कहा, ''त्रिची हवाई अड्डे पर पत्रकारों द्वारा यह बताए जाने के बावजूद कि कई लोगों की जान जा चुकी है, पीड़ित लोगों से मिलने से किसने इनकार किया और इसके बजाय निजी विमान से वहां से निकल गया? करूर के लोग इसका जवाब बहुत अच्छी तरह जानते हैं।'' मुख्यमंत्री बनने के बाद शुक्रवार को करूर की अपनी पहली यात्रा के दौरान विजय ने भगदड़ की घटना से राजनीतिक लाभ'' उठाने की कोशिश करने को लेकर विपक्षी द्रमुक पर तीखा हमला बोला था। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने द्रविड़ पार्टी पर उन्हें पश्चिमी तमिलनाडु के इस शहर का दौरा करने से रोकने का भी आरोप लगाया था।

कावेरी जल विवादः दिनाकरन ने कर्नाटक, मुख्यमंत्री विजय पर निशाना साधा

चेन्नई/भाषा। एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर राज्य के नदी अधिकारों से समझौता करने का आरोप लगाया और कावेरी का पानी छोड़ने से कर्नाटक के कथित इनकार की कड़ी निंदा की।

दिनाकरन ने कहा, खबरों के अनुसार, कर्नाटक के सिंचाई मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा है कि तमिलनाडु को पानी नहीं दिया जा सकता और तमिलनाडु सरकार से पानी छोड़ने का कोई अनुरोध नहीं मिला है। यह राज्यों के एकीकरण और उच्चतम न्यायालय के फैसले के पूरी तरह खिलाफ है।

दिनाकरन ने एक बयान में कहा कि मंत्री रेड्डी के बयान से कावेरी डेल्टा के किसानों और तमिलनाडु के 20 से ज्यादा जिलों के उन लाखों लोगों में गहरा क्षोभ और भारी नाराजगी है, जो पीने के पानी और सिंचाई के लिए मुख्य रूप से कावेरी नदी पर निर्भर हैं। दिनाकरन ने पूरी घटना को कानून के शासन का घोर अपमान बताया।

अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कषगम (एएमएमके) नेता ने कहा कि मेट्टूर बांध, जिसे 12 जून को खोला जाना चाहिए था, वह अब तक बंद है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार जून के लिए 9.91 टीएमसी और जुलाई के लिए 32 टीएमसी का तमिलनाडु का हिस्सा जारी करने में देरी कर रही है। उन्होंने इस रवैये को बेहद निंदनीय भी बताया।

अपनी सरकार बनाए रखने के लिए टीवीके के कांग्रेस विधायकों पर निर्भरता का जिक्र करते हुए, दिनाकरन ने दावा किया, अब यह शक पैदा हो रहा है कि क्या टीवीके सरकार सिर्फ गिरने से बचने के लिए कावेरी मुद्दे पर तमिलनाडु के अधिकारों को कर्नाटक कांग्रेस सरकार के पास गिरवी' रखने को तैयार है ।

अन्नाद्रमुक ने 'मिलीभगत' के आरोपों को लेकर विजय पर पलटवार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अन्नाद्रमुक ने शनिवार को तमिलनाडु की टीवीके सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह जन सुरक्षा से लेकर आर्थिक विकास तक विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विफल रही है। पार्टी ने 'एक्स' पर लिखा, 41 निर्दोष लोगों की मौत से जुड़ी त्रासदी के सहारे सत्ता में आए वर्तमान मुख्यमंत्री ने मिलीभगत जैसे अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को करूर में जनसभा को संबोधित करते हुए अन्नाद्रमुक और द्रमुक पर हमला बोला था। उन्होंने द्रमुक को बुरी ताकत और अन्नाद्रमुक को कमज़ोर पड़ चुकी ताकत बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के हर विभाग में दोनों पार्टियां पार्टी फंड जुटाने के नाम पर राज्य को लूटने के लिए गुप्त रूप से मिलकर काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, बुरी ताकत और कमज़ोर पड़ चुकी ताकत अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि दोनों मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने दोनों दलों को आगामी उपचुनावों में इसे गलत साबित करने की चुनौती भी दी।

विजय के राजनीतिक रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए अन्नाद्रमुक ने सवाल किया, पार्टी की स्थापना के बाद पिछले दो वर्ष में आपने वास्तव में कितने लोगों से मुलाकात की है? जनता से जुड़े किन मुद्दों पर आपने राजनीति की है या चर्चा की है? पार्टी ने कहा, जब आप (विजय) करूर में भाषण देने में व्यस्त थे, तभी ऐसी खबरें सामने आईं कि हुंदई का 38,000 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश तमिलनाडु से स्थानांतरित हो गया। अन्नाद्रमुक ने टीवीके प्रमुख को इस आर्थिक नुकसान पर जवाब देने की चुनौती भी दी।

अन्नाद्रमुक में बढ़ी प्रतिनिधित्व की मांग

पलानीस्वामी की समीक्षा बैठकों में उभरा असंतोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन की समीक्षा कर रही अन्नाद्रमुक के भीतर अब असंतोष के संकेत खुलकर सामने आने लगे हैं। पार्टी से जुड़े विभिन्न सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों ने संगठन में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलने और चुनाव लड़ने के सीमित अवसर दिए जाने पर नाराजगी जताई है। दरअसल, एआईएडीएमके के महासचिव एके पलानीस्वामी इन दिनों जिला स्तर पर समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों का उद्देश्य विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन का आकलन करना, हार के कारणों को समझना और भविष्य की रणनीति तैयार करना है। अलग-अलग जिलों के नेताओं और पदाधिकारियों से चुनाव प्रचार, संगठन की कार्यप्रणाली और आगे की योजनाओं पर सुझाव लिए जा रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, महिला विंग, एमजीआर यूथ विंग, यूथ विंग, ट्रेडर्स विंग और अन्य सहयोगी संगठनों के पदाधिकारियों ने लगातार यह मुद्दा उठाया कि उन्हें संगठन और चुनावी राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि वर्षों से जमीनी स्तर पर काम करने के बावजूद उन्हें न तो संगठन में अहम जिम्मेदारियां दी गईं और न ही विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के पर्याप्त अवसर मिले।

हाल ही में महिला विंग की बैठक में कई पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व से मांग की कि संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की संख्या बढ़ाई जाए और भविष्य के चुनावों में महिला उम्मीदवारों को अधिक टिकट दिए जाएं। इसी क्रम में पलानीस्वामी ने धर्मपुरी और कृष्णागिरि जिलों के पदाधिकारियों के साथ भी समीक्षा बैठक की। इस दौरान कुछ नेताओं ने पार्टी की आईटी विंग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान वह सत्तारूढ़ दल के प्रचार का प्रभावी ढंग से जवाब देने में सफल नहीं रहे। सूत्रों के अनुसार, पलानीस्वामी ने इस आलोचना पर कहा कि केवल आईटी विंग ही नहीं, बल्कि पार्टी के कई अन्य सहयोगी संगठन भी चुनाव अभियान के दौरान अपेक्षित स्तर पर काम नहीं कर पाए। उन्होंने भविष्य के चुनावों को देखते हुए बेहतर समन्वय और संगठनात्मक अनुशासन मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। इस बीच, पूर्व सांसद एसआर विजयकुमार के नेतृत्व वाली एमजीआर यूथ विंग ने शुक्रवार को भी एक विचार-विमर्श बैठक आयोजित की। इसमें शामिल पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी की गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद यूथ विंग के कार्यकर्ताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने चुनाव लड़ने के अधिक अवसर और संगठन में नेतृत्व की जिम्मेदारियां देने की भी मांग की। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि यह असंतोष केवल एक-दो संगठनों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और सहयोगी इकाइयों की व्यापक मांग है कि पार्टी नेतृत्व उनके साथ बेहतर तालमेल बनाए, उन्हें संगठन में उचित सम्मान दे और चुनावी राजनीति में अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करे। बैठक के अंत में एमजीआर यूथ विंग ने एक प्रस्ताव पारित कर एके पलानीस्वामी का आभार जताया। प्रस्ताव में कहा गया कि उनके नेतृत्व में एआईएडीएमके-नीत एनडीए ने विधानसभा चुनाव में 52 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं, एक अन्य प्रस्ताव में सत्तारूढ़ टीवीके सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया गया कि उसकी कार्यशैली काफी हद तक पिछली डीएमके सरकार जैसी ही है।

श्रीलंका तस्करी के लिए भेजी जा रही 17 लाख रुपये की बीड़ी पत्तियां जब्त, तस्कर फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थूथुकुडी। तमिलनाडु के थूथुकुडी तट पर शनिवार तड़के चलाए गए एक बड़े अभियान में क्यू ब्रांच पुलिस ने श्रीलंका तस्करी के लिए भेजी जा रही करीब 17 लाख रुपये मूल्य की बीड़ी पत्तियां जब्त की हैं। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही संदिग्ध तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने यह खेप इनिगो नगर बीच के पास एक जंगलनुमा इलाके से बरामद की। खुफिया सूचना के आधार पर क्यू ब्रांच की इंस्पेक्टर विजय अनिता को जानकारी मिली थी कि बड़ी मात्रा में बीड़ी पत्तियां इनिगो नगर तटीय क्षेत्र में जमा की गई हैं, जिन्हें नाव के जरिए अवैध रूप से श्रीलंका भेजने की तैयारी थी। सूचना मिलने के बाद सब-इंस्पेक्टर रामचंद्रन के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने देर रात थूथुकुडी सिटी सब-डिवीजन के दक्षिण पुलिस थाना क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। टीम में स्पेशल सब-इंस्पेक्टर रामर, इंस्पेक्टर इरुदयराज कुमार, इसाक्किमुथु तथा पुलिसकर्मी पलानी, बालामुरुगन और पेचीराज भी शामिल थे।

तलाशी के दौरान पुलिस को इनिगो नगर बीच के दक्षिणी हिस्से में जंगल के बीच छिपाकर रखी गई बीड़ी पत्तियों की बड़ी खेप मिली। जांच में 18 बंडल बरामद हुए, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 30 किलोग्राम था। पुलिस के मुताबिक, इन्हें समुद्री रास्ते से श्रीलंका भेजने के लिए पूरी तरह तैयार किया गया था। पुलिस के पहुंचते ही आसपास मौजूद संदिग्ध तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से पुलिस ने एक कार्गो वाहन भी जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल बीड़ी पत्तियों को तटीय क्षेत्र तक पहुंचाने में किया गया था।अधिकारियों के अनुसार, जब्त की गई बीड़ी पत्तियों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 17 लाख रुपये है। बरामद सामान और वाहन को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क (कस्टम) विभाग को सौंपा जा रहा है। पुलिस ने तस्करी में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां जब्त वाहन के मालिक का पता लगाने के साथ-साथ थूथुकुडी तट पर सक्रिय बड़े तस्करी नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि तमिलनाडु तट और श्रीलंका के बीच होने वाली सीमा पार तस्करी पर रोक लगाने के लिए क्यू ब्रांच और अन्य एजेंसियों ने निगरानी बढ़ा दी है। फिलहाल यह भी जांच की जा रही है कि यह खेप किसके लिए भेजी जा रही थी और इसका संबंध किसी संगठित तस्करी गिरोह से है या नहीं।

पंचायत चुनाव अक्टूबर या नवंबर में हो सकते हैंः मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री ईश्वर खंड्रे ने शनिवार को कहा कि राज्य में ग्राम, तालुक एवं जिला पंचायत चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। खंड्रे ने कहा कि जैसे ही परिसीमन की प्रक्रिया और आरक्षण का खाका तय करने का काम पूरा हो जाएगा, प्रस्ताव राज्य निर्वाचन आयोग को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभी निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन तथा तालुक एवं जिला पंचायतों के लिए आरक्षण को अंतिम रूप देने का काम जारी है। मंत्रिमंडल में इस पर चर्चा हो चुकी है तथा मुख्यमंत्री एवं सभी मंत्री ग्राम, तालुक और ज़िला पंचायत चुनाव कराने के इच्छुक हैं।

खंड्रे ने कहा, मैं लोगों को बताना चाहता हूं कि ग्राम, तालुक और ज़िला पंचायत के सभी चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होंगे।' शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव में देरी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारी अभी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में व्यस्त हैं, इसलिए अतिरिक्त समय मांगा गया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत कर्नाटक की ग्राम पंचायतों के लिए 2,186.20 करोड़ रुपये जारी नहीं किए हैं।

उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों का हवाला देकर केंद्र का निधि रोकना सही नहीं है।

उन्होंने कर्नाटक के सांसदों से इस मामले पर एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष के इस कथन के बारे में कि 'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था 2029 तक लागू हो सकती है, खंड्रे ने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का रवैया तानाशाही वाला है और वह देश पर पूरा नियंत्रण चाहती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या 95 and 97-26-27

मंडल रेल प्रबंधक ,उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की और से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक **28.07.2026 को 15.00 बजें तक** खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या:** 95, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मण्डल इंजीनियर/सिरसा के अधीन हिसार स्टेशन के सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य का शेष कार्य। **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 36746861.47, **धरोहर राशि:** Rs. 734900.00; **निविदा संख्या:** 97, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मण्डल इंजीनियर/भिवानी के अधीन मण्डल इंजीनियर/पूर्व के अधिकार क्षेत्र में रोहतक-भिवानी खण्ड में विभिन्न ह्यूम पाइप क्रॉसिंगों के स्थान पर 1.0 मीटर x 1.2 मीटर आकार के आर.सी.सी. बॉक्स का प्रावधान। **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 244020601.87, **धरोहर राशि:** Rs. 4880400.00, **नोट:**- अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **988-PH/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित संस्थाओं, के विरुद्ध शिकायतों का निवारण

रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (आरबी-आइओएस), 2026

- रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना (आरबी-आइओएस), 2026 को 1 जुलाई 2026 से लागू किया गया है। यह योजना आरबीआई द्वारा विनियमित संस्थाओं जैसे बैंकों, नॉन बैंकिंग फाइनेंसियल कंपनियों, नॉन-बैंक प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारीकर्ताओं और क्रेडिट इंफॉर्मेशन कंपनियों के विरूद्ध शिकायतों के समाधान की सुविधा प्रदान करती है।
- आरबी-आइओएस, 2026 के तहत आरबीआई द्वारा विनियमित संस्थाओं के विरूद्ध शिकायतों पर भारतीय रिज़र्व बैंक के ओम्बड्समैन कार्यालयों में कार्रवाई की जाती है और जो शिकायतें इस योजना के दायरे से बाहर हैं, उन पर उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण कक्षों (सीईपीसी) में कार्रवाई की जाती है। आरबी-आइओएस, 2026 और सीईपीसी के तहत आने वाली विनियमित संस्थाओं की सूची https://cms.rbi.org.in पर उपलब्ध है।
- आरबी-आइओएस विनियमित संस्थाओं द्वारा सेवा में कमी से जुड़ी ग्राहक शिकायतों के लिए एक निःशुल्क, त्वरित और गैर- विरोधात्मक वैकल्पिक शिकायत निवारण व्यवस्था प्रदान करती है।
- आरबी-आइओएस की प्रति https://cms.rbi.org.in पर उपलब्ध है।

आरबीआई ओम्बड्समैन के पास शिकायत कैसे दर्ज करें?

यदि आरबीआई द्वारा विनियमित संस्था के विरूद्ध शिकायत का समाधान आपकी संतुष्टि के अनुसार नहीं किया जाता है, या यदि योजना के अनुसार लागू समयसीमा के भीतर कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है, तो आप आरबीआई ओम्बड्समैन के पास अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं:

(i) आरबीआई के ऑनलाइन शिकायत प्रबंध प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल https://cms.rbi.org.in के माध्यम से ; या

(ii) crpc@rbi.org.in को ईमेल भेजकर; या

(iii) केंद्रीकृत प्राप्ति और प्रसंस्करण केंद्र, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेंट्रल विस्टा, सेक्टर -17, चंडीगढ़ – 160017 को डाक / कूरियर द्वारा।

उपयोगी क्या करें और क्या न करें

क्या करें

- ✓ तत्काल पावती, स्थिति की ट्रैकिंग और त्वरित प्रसंस्करण के लिए सीएमएस पोर्टल का उपयोग करें।
- ✓ ई-मेल या भौतिक माध्यम से शिकायत दर्ज करने के लिए https://cms.rbi.org.in पर उपलब्ध शिकायत फॉर्म का उपयोग करें।
- ✓ संबंधित संस्था के पास दर्ज की गई शिकायत की प्रति, संस्था से प्राप्त हुए जवाब की प्रति (यदि प्राप्त हुआ हो) और शिकायत से संबंधित अन्य कोई प्रासंगिक दस्तावेज संलग्न करें।
- ✓ अपना संपर्क नंबर और ई-मेल आइडी दें, यदि उपलब्ध हो।

क्या न करें

- × **पहले** विनियमित संस्था से संपर्क किए बिना सीधे आरबीआई ओम्बड्समैन के पास शिकायत दर्ज न करें। ऐसी शिकायत स्वीकार नहीं की जा सकती है।

आरबीआई के पास शिकायत दर्ज करने के संबंध में अधिक जानकारी कैसे प्राप्त करें?

अधिक जानकारी के लिए आप https://rbi.org.in → अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न → उपभोक्ता शिक्षण और संरक्षण → रिज़र्व बैंक - एकीकृत ओम्बड्समैन योजना, 2026, पर उपलब्ध 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (एफएक्यू) देख सकते हैं, या टोल-फ्री नंबर **14448** पर आरबीआई संपर्क केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आइवीआरएस) युक्त संपर्क केंद्र 24x7 उपलब्ध है, जबकि संपर्क केंद्र कर्मियों से अंग्रेजी, हिंदी और दस क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तेलुगु और तमिल) में बात करने की सुविधा राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर सोमवार से शनिवार सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे के बीच उपलब्ध है।

निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम के विरूद्ध शिकायतें

निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) के विरूद्ध शिकायतें निम्नलिखित पते/ई-मेल आइडी पर दर्ज की जा सकती हैं

महाप्रबंधक
शिकायत निवारण कक्ष
निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंजिल
मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के सामने
भायखला, मुंबई-400008
ईमेल: dicgc.complaints@rbi.org.in
संपर्क संख्या: 022- 2301 9645

किसान, मजदूर, महिला और युवा वर्ग का हो रहा सर्वांगीण विकास : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने और अगली पीढ़ी के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध हैं। हमारी डबल इंजन सरकार धरातल पर काम कर आमजन के जीवन को सुगम बना रही है। रोडमैप बनाकर पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं, जिसका असर धरातल पर दिख रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को अजमेर के केकड़ी में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 33 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से लगभग 49 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों का विकास करवाया गया है। साथ ही, 18 हजार किलोमीटर लंबी नई सड़कों का निर्माण हुआ है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों के उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण के कार्य हुए हैं। वहीं, रेल नेटवर्क को विकसित करने के साथ ही नए एयरपोर्ट्स के जरिये प्रदेश विकास की नई उड़ान भर रहा है।

उन्होंने कहा कि पानी प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। राज्य सरकार ने प्रमुख जल परियोजनाओं पर फोकस करते हुए हर व्यक्ति तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य तय किया। इसी क्रम में राम जलसेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर प्रमुखता से कार्य करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चार प्रमुख जातियों किसान, मजदूर, महिला और युवा का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है। प्रदेश में किसान सम्मान निधि की राशि को 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया, जिसे आने वाले समय में 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष किया जाएगा। वहीं, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के साथ ही बिलों में अनुदान दे रहे है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के जरिये पशुपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण मिल रहा है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के माध्यम से 22 लाख से अधिक बीमा पॉलिसी की जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाने के लिए हमारी सरकार रोजगार के साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 78 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं तथा 1 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। निजी क्षेत्र में भी साढ़े चार लाख युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाकर आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि डबल इंजन सरकार के कार्यों से प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने और समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी जैसे विश्व स्तरीय प्रोजेक्ट का लोकार्पण विकास की इसी सकारात्मक सोच का परिणाम है। सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि यमुना के पानी को राजस्थान की धरती पर लाना मुख्यमंत्री का भगीरथी प्रयास है, जिसका लाभ शेखावाटी की जनता को मिलेगा। वहीं, सड़क तंत्र को मजबूत बनाने के साथ ही प्रदेश का बिजली उत्पादन में सरप्लस होना भी मुख्यमंत्री की बड़ी उपलब्धि है।

जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की कवायद, केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सामान्य से कम बारिश होने के पूर्वानुमान को देखते हुए आने वाले विषम सेमेस्टर के दौरान 'ऑनलाइन मोड' में पढ़ाई कराने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय के एक आदेश के अनुसार 'विषम सेमेस्टर' 15 जुलाई से शुरू होगा और 14 अगस्त तक सभी कक्षाओं की पढ़ाई 'ऑनलाइन' माध्यम से होगी। अधिकारियों के अनुसार यह कदम मौसम के पूर्वानुमान और विश्वविद्यालय परिसर में पानी के समझदारी भरे इस्तेमाल की जरूरत को देखते हुए उठाया गया एक सकारात्मक और एहतियाती कदम है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय को अपनी रोजाना की जरूरतों के लिए लगभग साढ़े तीन लाख लीटर पानी की जरूरत होती है।

एक अधिकारी ने कहा, हालांकि अभी पानी का पर्याप्त इंतजाम है, लेकिन कुछ समय के लिए ऑनलाइन कक्षाओं से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। आदेश में कहा गया है कि यह फैसला राजस्थान में सामान्य से कम बारिश की संभावना और पानी के संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल की जरूरत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि संकाय सदस्य तय कार्यक्रम के अनुसार 'ऑनलाइन मोड' में कक्षाएं लेते रहेंगे साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों की उपस्थिति बनी रहे और अकादमिक गतिविधियां सुचारु व निर्बाध चलती रहें।

आदेश के अनुसार जिन संकाय सदस्यों की गर्मी की छुट्टियां 14 जुलाई को खत्म हो रही हैं वे विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचकर ऑनलाइन कक्षाएं लेंगे। जिनके ग्रीष्मकालीन अवकाश 21 जुलाई तक हैं वे उस तारीख तक अपनी-अपनी जगहों से ऑनलाइन कक्षाएं लेंगे और उसके बाद परिसर में पहुंचकर ऑनलाइन पढ़ाएंगे।

आयुषी के पिता की मौत की भी जांच करवाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक युवती द्वारा जमीन जायदाद और सरकारी नौकरी के लिए अपनी मां की हत्या की साजिश रचने के मामले में नए आरोप सामने आए हैं। आरोपी युवती के मामा ने उसके (युवती के) पिता की मौत की भी जांच करवाने की मांग की है। उन्होंने संदेह जताया है कि उनकी मौत में भी युवती का हाथ हो सकता है। पुलिस ने कहा कि उन्हें इस संबंध में एक शिकायत मिली है और सक्षम अधिकारी इसकी जांच करेंगे। पुलिस ने इस मामले में युवती आयुषी शर्मा (23) और उसके ताऊ मोहन स्वरूप (56) समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मोहन का बेटा बलराम शर्मा फरार है। प्रताप नगर के रवींद्र नगर में रहने वाली आयुषी की मां नीरज शर्मा (45) को तीन जुलाई को तेज गति से गुजर रहे वाहन (स्कॉर्पियो) ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

नीरज के भाई राकेश ने हत्या का संदेह जताते हुए अपनी भांजी व अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस टीम की जांच में सामने आया कि नीरज की मौत किसी दुर्घटना में नहीं हुई बल्कि यह एक सोची समझी साजिश थी। 'सुपारी' देकर महिला की हत्या करवाई गई और इसे सड़क हादसे का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला की बेटी आयुषी और उसके जेठ व अन्य को गिरफ्तार किया।आयुषी के मामा राकेश शर्मा ने पुलिस से मामले की गहराई से जांच करने की मांग की है। उनका आरोप है कि मुख्य आरोपी बलराम शर्मा अभी फरार है और 'सुपारी' के लिए दिए गए पैसे समेत अहम सबूत अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। उन्होंने इस मामले में 14-15 करोड़ रुपये की संपत्ति के लालच में रची गई साज़िश का भी शक जताया है।

राकेश शर्मा ने अपने बहनोई की मौत से जुड़ी परिस्थितियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद आयुषी और बलराम ने उन्हें लगभग तीन महीने तक किसी अज्ञात जगह पर रखा था। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले साल दिसंबर से अप्रैल तक उनके बहनोई को छिपाकर रखा गया। जब मैंने चिकित्सकों से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि उनकी हालत गंभीर थी – फेफड़ों में पानी भर गया था, लीवर बुरी तरह खराब हो गया था। अगर पुलिस ठीक से जांच करे, तो पता चलेगा कि उनकी मौत में भी आयुषी और बलराम का हाथ था। उनके वकील चंद्र प्रकाश शर्मा ने भी ऐसी ही चिंताएं जाहिर कीं। उनका आरोप है कि आयुषी ने संपत्ति पर कब्ज़ा करने और अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी पाने के लिए अपनी मां की हत्या की थी। वकील ने दावा किया इस मामले से जुड़ी जमीन जायदाद (प्रॉपर्टी) की कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये है। इसमें कृषि भूमि व भूखंड शामिल हैं। वह संपत्ति अपने नाम करवान चाहती थी और अपने पिता की जगह अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी पाना चाहती थी। वह नहीं चाहती थी कि उसकी मां नौकरी करती रहे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आयुषी के पिता, जिनका पहले ब्रेन ट्यूमर का इलाज चल रहा था, अस्पताल में काफी ठीक हो गए थे लेकिन उन्हें अस्पताल से जबरदस्ती छुट्टी दिलवाकर किराए के अनजान मकान में रखा गया। उन्होंने आयुषी पर आरोप लगाते हुए कहा,'जब उन्हें बाद में दोबारा भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों ने कहा कि उनकी हालत बहुत खराब हो चुकी थी। दो दिन के अंदर ही संदिग्ध हालात में उनकी मौत हो गई। उन्हें उचित इलाज और बताई गई दवाइयां नहीं उपलब्ध कराई गईं।

पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने कहा कि पुलिस ने शिकायत पर गौर किया है और समुचित जांच का विश्वास दिलाया है। उन्होंने कहा,शिकायतकर्ता ने लिखित शिकायत दी है। उठाए गए सभी बिंदुओं की विस्तार से जांच की जाएगी। मुख्य आरोपी की तलाश जारी है और उसे जल्द ही गिरफ़्तार कर लिया जाएगा।

आरोपी आयुषी के पिता की मौत के मामले में जांच की मांग पर उन्होंने कहा, परिवार ने इस मामले में भी जांच की मांग की है। सक्षम अधिकारी इस मामले की जांच करेंगे। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिया कि इस मामले में संपत्ति का विवाद और परिवार के भीतर तनाव के साथ-साथ अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि इन सबके चलते ही महिला की हत्या की कथित तौर पर साजिश रची गई हो।

पुलिस ने बताया कि नीरज को लगभग एक साल पहले अपने पति विजय कुमार शर्मा की मौत के बाद अनुकंपा के आधार पर अदालत में क्लर्क (एलडीसी) की नौकरी मिली थी।

बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में चार महिलाओं की मौत: अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में पिछले कुछ दिन में चार महिलाओं की मौत हो गई। इसके बाद अधिकारियों ने मौतों के कारणों की जांच के लिए एक समिति गठित की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मौतें सात से 10 जुलाई के बीच हुईं जिससे चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में चिंता है। जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत सिंह यादव ने अस्पताल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

यादव ने कहा, सात से 10 जुलाई के बीच चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली है। दो मरीजों को गंभीर हालत में लाया गया था जबकि दो मामलों में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। उन्होंने बताया कि मौतों की विस्तृत जांच के लिए चिकित्सकों की पांच सदस्यीय समिति बनाई गई है।अधिकारियों ने बताया कि एक मामले में ग्रामीण इलाके में गर्भपात से जुड़ी जटिलताओं के बाद नाबालिग लड़की को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था और बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दो अन्य मामलों में पीड़ित की पहचान सवनिया निवासी लक्ष्मी और मध्य प्रदेश के अकलखेड़ा निवासी रेशमा के तौर पर हुई है। संदेह है कि इनकी मौत का शुरुआती कारण गंभीर एनीमिया (खून की कमी) हो सकता है।

कानेला गढ़ी की रहने वाली एक अन्य महिला लीला की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई, शुरुआती जांच में इसकी वजह उच्च रक्तचाप माना गया है। जिला कलेक्टर ने कहा कि अब तक दवा के गलत असर का कोई तत्काल संकेत नहीं मिला है। यादव ने कहा, पांच चिकित्सकों की समिति बनाई गई है और जयपुर से भी एक टीम आ रही है। रिपोर्ट आने के बाद मौतों के सही कारण का पता चलेगा। अगर किसी भी स्तर पर कोई चूक पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के तहत मेडिकल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है और अस्पताल के कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

मुख्य सचिव ने एसएमएस अस्पताल की आईपीडी टावर परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को सचिवालय से एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर की आईपीडी टावर परियोजना एवं इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजना से जुड़े विभिन्न निर्माण, वित्तीय, प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी विषयों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि आईपीडी टावर राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आईपीडी टावर को शीघ्र पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, मानव संसाधन, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, पहुंच मार्ग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने तथा नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा। बैठक में परियोजना की वर्तमान प्रगति, इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज में प्रारंभ की जा चुकी सेवाओं, शेष कार्यों तथा पिछली समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना की भी समीक्षा की गई।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग श्रीमती गायत्री ए. राठौड, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा विभाग बाबू लाल गोयल, संयुक्त शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग डॉ. ज्योति चौहान उपस्थित थी। साथ ही अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया,एवं कंट्रोलर एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. दीपक माहेश्वरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

'अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन क्षेत्र का योगदान वर्तमान में 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अल्पकालिक लक्ष्य के रूप में वर्ष 2030 तक इसे 7 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में केंद्र सरकार तेजी से कार्य कर रही है। शनिवार को अपने जोधपुर निज निवास पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान लगातार मजबूत हुई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पर्यटन क्षेत्र पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं घरेलू पर्यटन में भी अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। पर्यटन एक विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम है, जिससे विकास का लाभ सीधे स्थानीय लोगों तक पहुंचता है। पर्यटन से होटल, परिवहन, हस्तशिल्प, खान-पान, स्थानीय उत्पादों और अन्य अनेक क्षेत्रों में रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार सृजित करने की क्षमता पर्यटन क्षेत्र में है और सरकार इसी दृष्टि से पर्यटन अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रही है। शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 की तुलना में देश की अर्थव्यवस्था दोगुने से अधिक आकार की हो चुकी है। प्रति व्यक्ति आय और किसानों की आय में वृद्धि हुई है। महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के कारण लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है, जिससे घरेलू पर्यटन को भी बड़ा प्रोत्साहन मिला है।

विवेकानंद की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने को लेकर एनएसयूआई और एबीवीपी कार्यकर्ताओं में झड़प

कोटा। राजस्थान के कोटा स्थित एक सरकारी कॉलेज परिसर में विवेकानंद की प्रतिमा को कथित रूप से पहुंचे नुकसान को लेकर शुक्रवार दोपहर नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई, जिससे तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने उन पर लोहे की छड़ों से हमला किया और कुछ महिला सदस्यों के बाल खींचे। वहीं, एबीवीपी ने इन आरोपों को गलत बताया। नयापुरा क्षेत्राधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कुछ समय तक मारपीट हुई लेकिन इस झड़प में किसी को चोट नहीं आई। अधिकारी ने बताया कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है लेकिन अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरएसएस की छात्र इकाई एबीवीपी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय छात्र दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

विश्व जनसंख्या दिवस

राजस्थान के बीकानेर में 'विश्व जनसंख्या दिवस' के अवसर पर शनिवार को एक निजी अस्पताल (श्री कृष्णा न्यूरो स्पाइन एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल) में नवजात बच्चों के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाते डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ।

अस्पतालों की विशेषज्ञों से जांच करवाए केंद्र सरकार: अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भीलवाड़ा और बांसवाड़ा के अस्पतालों में महिलाओं की मौत पर चिंता जताते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से जांच करवाने की मांग की है ताकि प्रसूताओं की जान बचाई जा सके। गहलोत ने शनिवार को एक बयान में कहा कि भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में मात्र छह दिन में पांच प्रसूताओं की मृत्यु समेत बांसवाड़ा में भी हुई मौतें हृदयविदारक एवं बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने दावा किया,''ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में संक्रमण की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बावजूद लगातार सीजेरियन ऑपरेशन करते रहना और 30-40 ऑपरेशन के सापेक्ष महज पांच 'सर्जिकल सेट' होना सीधे तौर पर घोर लापरवाही और बदहाल चिकित्सा व्यवस्था को दर्शाता है।''

उन्होंने कहा कि कोटा, बीकानेर, जोधपुर के बाद अब भीलवाड़ा की यह स्थिति विचलित करने वाली है। राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''क्या राजस्थान को भाजपा सरकार ने भगवान भरोसे छोड़ दिया है? एक के बाद एक ऐसी घटनाएं जैसे सामने आ रही हैं वह दिखाता है कि सरकार का इस सबसे कोई मतलब नहीं है।'' केंद्र सरकार से जांच की मांग करते हुए उन्होंने कहा,''राजस्थान के अलग-अलग अस्पतालों में बनी ऐसी स्थिति के सही मूल्यांकन एवं निदान के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय को विशेषज्ञों की टीम भेजकर जांच करवानी चाहिए ताकि प्रसूताओं की जान बचाई जा सके।''

प्रश्न उठाने वालों से पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने अपने शासनकाल में क्या किया : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 2017 के पहले की सरकारों और खास तौर से समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रश्न उठाने वालों से पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने अपने शासनकाल के दौरान क्या किया। योगी ने यहां 525 करोड़ रुपये की लागत की 464 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास/लोकार्पण करने के बाद आयोजित जनसभा में विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा, ''जो कुछ नहीं कर सकते वे आरोप लगाते हैं, जिनकी क्षमता नहीं, वही प्रश्न उठाते हैं, लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि जो ये प्रश्न उठाने वाले लोग हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए कि तुमने भी तो शासन किया, तुमने क्या किया।'' वह विपक्षी दलों, खासकर सपा द्वारा विभिन्न मुद्दों पर सरकार के खिलाफ सवाल उठाए जाने के संदर्भ में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, ''पहले सपा सरकार के समय कितना माहौल खराब था, दुर्गा पूजा के समय दुर्गा पूजा नहीं करने देते थे, जन्माष्टमी पर प्रतिबंध लगाते थे, होली नहीं मनाने देते थे, मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे हजम कर जाते थे, लेकिन आज हर विधायक ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में आठ-दस मंदिरों का सुंदरीकरण किया है। यह कार्य पहले भी हो सकता था।'' योगी ने कहा, ''जो गरीब को राशन की सुविधा नहीं दे पाए, जो नौजवान का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे अयोध्या और काशी मथुरा के बारे में कैसे सोच सकते थे। पहले मंदिरों पर लोग कब्जा करवाते थे और अब कब्जा नहीं, उन मंदिरों का सुंदरीकरण हो रहा है।''

उन्होंने कहा, ''पहले आने वाला पैसा कब्रिस्तान पर खर्च हो जाता था, आज वे हमें बता रहे हैं और विकास के बारे में सवाल कर रहे हैं। मैं आश्वस्त करने आया हूं कि विकास की बेहतर परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं।'' योगी ने अपनी सरकार के बारे में कहा आपने देखा होगा कि पर्व और उत्सव में कोई बाधा डालता है तो सरकार उपद्रवी से कायदे से निपटती है। नौ वर्षों में देखा होगा कि उप्र में अब कोई दंगा नहीं है। न कर्फ्यू न दंगा, अब यूपी में सब चंगा है। सभा को उप्र सरकार के कारागार मंत्री और कुशीनगर प्रभारी दारा सिंह चौहान, पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद कुंवर आरपीएन सिंह, गोरखपुर के सांसद व सिने स्टार रवि किशन और कुशीनगर के सांसद विजय दुबे समेत कई प्रमुख लोगों ने संबोधित किया।

धोखाधड़ी मामले में फरार आरोपी आईजीआई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के घरेलू टर्मिनल पर 60 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में वांछित फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान ग्रेटर नोएडा निवासी मुकेश कुमार (39) के रूप में हुई है जो दिल्ली एक अदालत द्वारा जुलाई 2025 में फरार घोषित किये जाने के बाद से न्यायिक कार्यवाही से बच रहा था। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आईपी एस्टेट थाने की एक टीम ने शुक्रवार को आईजीआई हवाई अड्डे पर छापा मारा और फरार होने से पहले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि मुकेश आईपी एस्टेट थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी और जालसाजी को लेकर दर्ज की गयी एक प्राथमिकी में वांछित था। पुलिस के अनुसार अदालत में बार-बार पेश नहीं होने के कारण 25 जुलाई, 2025 को उसे फरार करार दिया गया था। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

राम मंदिर ट्रस्ट के खातों का फॉरेंसिक ऑडिट हो, जवाबदेही तय होनी चाहिए: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के जरिये अभी बहुत बड़े मामले एक छोटा हिस्सा ही सामने आया है और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी अस्वीकार्य है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में न्यायिक जांच कराने की भी मांग की और कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य सिंघवी ने कहा कि लोगों का भरोसा बहाल करने के लिए इस मामले की स्वतंत्र और विश्वसनीय जांच आवश्यक है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई, मंदिर ट्रस्ट के पुनर्गठन में प्रतिष्ठित और स्वतंत्र व्यक्तियों को शामिल करने तथा ट्रस्ट की स्थापना से अब तक के खातों का फोरेंसिक ऑडिट कराने की भी मांग की।

सिंघवी ने कहा, ''यदि उद्देश्य जनता का विश्वास बहाल करना है, तो उच्चतम न्यायालय के किसी ऐसे वरिष्ठ व्यक्ति की अध्यक्षता में न्यायिक जांच होनी चाहिए, जिनका नाम ही लोगों में भरोसा पैदा करता हो। साथ ही, ट्रस्ट की स्थापना से लेकर अब तक के खातों का फोरेंसिक ऑडिट भी कराया जाना चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक की गई गिरफ्तारियां केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित हैं और सवाल किया कि किसी वरिष्ठ अधिकारी की जवाबदेही क्यों तय नहीं की गई।

सिंघवी ने कहा, ''असल सवाल यह नहीं है कि चोरी किसने की, बल्कि यह है कि उनकी नाक के नीचे यह सब कैसे होता रहा। भारतीय स्टेट बैंक और ट्रस्ट के बीच समझौता ज्ञापन तथा मानक संचालन प्रक्रिया मौजूद हैं, फिर भी सबसे निचले स्तर से ऊपर किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई।'' उन्होंने एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि ट्रस्ट द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर बड़ी राशि खर्च की गई।

इंद्रजीत मंडल की हत्या 'लिंचिंग' नहीं, पहचान सुनिश्चित करने के बाद मारा : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 11 वर्षीय लड़की का शव बरामद होने के बाद इंद्रजीत मंडल की हत्या को शनिवार को 'लिंचिंग' (भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या) मानने से इनकार करते हुए कहा कि ''हत्या'' से पहले मंडल की पहचान सुनिश्चित कर ली गई थी। संबंधित मामले में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर दी गई थी और शव को बोरे में भरकर एक तालाब में फेंक दिया गया था। बच्ची का शव बरामद होने के कुछ घंटे बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने उसकी मौत में शामिल होने के संदेह में मंडल की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री यह भी आरोप लगाया कि दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में तालाब से शव मिलने के बाद भड़की हिंसा में कट्टरपंथी सांप्रदायिक ताकतों या चुनाव में जनता द्वारा नकारे गए लोगों का हाथ हो सकता है।

शुभेंदु अधिकारी ने पीट-पीटकर मारे गए व्यक्ति के परिजन को नौकरी का नियुक्ति पत्र और 25 लाख रुपये का चेक सौंपने के बाद यह टिप्पणी की। इससे पहले उन्होंने मृतक बच्ची के माता-पिता से उनके घर पर मुलाकात की और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले कहा था कि ऑटो रिक्शा चालक मंडल निर्दोष था और उसकी पीट-पीटकर हत्या करने में शामिल लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, इंद्रजीत की मौत भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के कारण नहीं हुई। उसकी हत्या से पहले उसकी पहचान सुनिश्चित कर ली गई थी।

शुभेंदु ने कहा कि मंडल के बड़े भाई को नागरिक स्वयंसेवक के पद का नियुक्ति पत्र और उसके माता-पिता को 25 लाख रुपये का चेक सौंपा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हो सकता है कि चुनाव में जनता द्वारा नकारे गए लोगों ने हिंसा भड़काई हो। इसके अलावा, मैं कट्टरपंथी सांप्रदायिक ताकतों की मौजूदगी की संभावना से भी इनकार नहीं कर रहा हूं। जांच से सच्चाई सामने आएगी और इसमें शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।''

उन्होंने कहा कि तस्वीरों या वीडियो फुटेज में जिन लोगों की पहचान की जा सकी है, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इंद्रजीत मंडल के बड़े भाई बापी मंडल ने कहा, मुख्यमंत्री ने हमें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने मुझे नियुक्ति पत्र दिया और नौकरी करने को कहा। यह बारुईपुर पुलिस जिले में नागरिक स्वयंसेवक के पद पर नियुक्ति का पत्र है। वहीं, शुभेंदु अधिकारी ने नाबालिग लड़की के परिवार से मुलाकात करने के बाद कहा कि पुलिस ने दर्ज शिकायत पर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, परिवार ने अपनी शिकायत में चार लोगों के नाम बताए थे और उन चारों को गिरफ़्तार कर लिया गया है। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के दौरे के दौरान बारुईपुर पुलिस जिले के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सुर्ज्यपुर में एक नई ग्रामीण पुलिस चौकी का उद्घाटन किया।

शिमला में भारी बारिश के बाद भूस्खलन, किन्नौर में घरों में घुसा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शनिवार को मध्यम से भारी बारिश के कारण शिमला में भूस्खलन हुआ, सांगला में पिछले साल निर्मित एक अस्थायी पुल (बेली ब्रिज) ढह गया और किन्नौर जिले में बाढ़ का पानी एकमंजिला मकान में घुस गया जिससे आसपास के कई अन्य मकानों पर भी खतरा मंडराने लगा है। शिमला शहर के बोथवेल क्षेत्र में संजौली कॉलेज के पास सड़क के नीचे बनी सुरक्षा दीवार शनिवार तड़के ढह गई और उसका मलबा नीचे बने आवासीय मकानों की ओर जा गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर निगम ने इस इलाके में एक निजी निर्माण परियोजना की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि इसके लिए खुदाई की गई थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण जमीन कमजोर हो गई और भूस्खलन हो गया। लोगों ने निर्माण कार्य तुरंत रोकने और पूरे इलाके का भू-वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग की है। उनका कहना है कि तीन से चार इमारतों को खतरा है और कुछ घरों तक जाने का रास्ता भी टूट गया है।

उत्तराखंड : भूस्खलन से 120 मार्ग बाधित, स्यानाचट्टी में 100 तीर्थयात्रियों ने रस्सी से रास्ता पार किया

देहरादून। उत्तराखंड के अनेक स्थानों पर पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश से पहाड़ी क्षेत्रों में जगह-जगह हुए भूस्खलन से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कुल 120 मार्ग अवरुद्ध हो गए जबकि उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी में भारी मलबा आने से पिछले दो दिनों से बाधित यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब 100 तीर्थयात्रियों को रस्सी की सहायता से रास्ता पार कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी । राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, स्यानाचट्टी में भारी मलबे के कारण सड़क के पूरी तरह अवरुद्ध होने के कारण वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गयी और इसके बाद जवानों ने अत्यंत सावधानी एवं कुशलता से लगभग 100 यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित तरीके से रास्ता पार कराया।

झारखंड में सरकारी इमारत में चिकित्सक मृत पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुमका (झारखंड)। झारखंड के दुमका जिले में शनिवार को 48 वर्षीय एक चिकित्सक सरकारी भवन के एक कमरे में मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, चिकित्सक अपने तीन दोस्तों के साथ शुक्रवार रात मसानजोर बांध के निकट सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन में ठहरे थे। अगले दिन उनका पश्चिम बंगाल स्थित तारापीठ जाने का कार्यक्रम था। मसानजोर थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया, ''सुबह उनके दोस्तों ने उन्हें जगाने की कोशिश की लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।'' मृतक की पहचान शशि दिनकर मिंज के रूप में हुई है, जो हजारीबाग सदर अस्पताल में चिकित्सक थे।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय चिकित्सक को बुलाकर जांच कराई गई।कुमार ने बताया कि स्थानीय चिकित्सक ने मिंज को मृत घोषित कर दिया। इसके बावजूद मिंज की मौत की पुष्टि के लिए उन्हें फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया।

उन्होंने बताया कि चिकित्सक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनके दोस्तों के अनुसार, मिंज उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के पीछे के कारण का पता चल सकेगा।

राम मंदिर दान में 'वित्तीय हेराफेरी' एक तरह का कलंक है : नृपेंद्र मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने राम मंदिर में दान में 'वित्तीय हेराफेरी' पर शनिवार को दुख जाहिर करते हुए कहा कि यह एक तरह का कलंक है और इससे हर कोई बहुत अपमानित महसूस कर रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि व्यवस्था में सुधार होगा और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। मिश्रा ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दान में गबन' पर कहा, ''यह घटना राम मंदिर पर एक तरह का कलंक है। इसे लेकर हम सभी न केवल क्षमाप्रार्थी हैं बल्कि शर्मिंदा और निराशा भी महसूस कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह मंदिर प्रबंधन से जुड़ा मामला है। व्यवस्था में सुधार होगा और ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसे कानून के तहत कठोर सजा दिलाई जाएगी।

राम मंदिर के लिए सीईओ की नियुक्ति की मांग उठाने में सबसे आगे रहे मिश्रा ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है और अंतिम निर्णय वही समिति करेगी। मिश्रा शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे और हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। मिश्रा ने आज दूसरे दिन पत्रकारों से कहा, ''कल मैंने चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। पुराने मंदिर, जिसे एक स्मारक के रूप में विकसित किया जा रहा है, का काम लगभग पूरा हो चुका है। बस उस लौ की व्यवस्था बाकी है जो 24 घंटे जलती रहेगी।''

उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण का आखिरी चरण 30 जुलाई तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ अन्य परियोजनाएं, जैसे चार किलोमीटर लंबी चारदिवारी का निर्माण और मंदिर परिसर के बाहर ऑडिटोरियम का कार्य, नवंबर-दिसंबर तक पूरे हो सकती हैं।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने छह नगा लोगों की हत्या के सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का संकल्प लिया

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार कांगपोकपी जिले में छह नगा लोगों की हत्या में शामिल सभी लोगों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। उनका यह बयान इन हत्याओं में कथित तौर पर शामिल दो लोगों को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के नेतृत्व में सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम द्वारा गिरफ्तार किये जाने के एक दिन बाद आया है।

इंफाल पश्चिम जिले में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कांगपोकपी जिले के माखन गांव का दौरा किया। वहां वह दो समुदायों के विधायकों के साथ उन पीड़ित परिवारों से मिले, जिन्होंने घटना में कथित तौर पर शामिल पांच लोगों की पहचान की थी।

उन्होंने कहा कि प्राप्त जानकारी के आधार पर दो संदिग्धों को पकड़ा गया है और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। लेइलोन वाइफेई गांव के पास 10 जून को छह नगा लोगों के शव मिले थे, जिसके बाद नगा और मेइती समुदायों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया।

बिहार ने आपातकाल के दौरान दूसरे 'स्वतंत्रता आंदोलन' का नेतृत्व किया : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि बिहार ने न केवल देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि आपातकाल के दौरान दूसरे ''स्वतंत्रता आंदोलन'' का भी आगे बढ़कर नेतृत्व किया। गयाजी जिले में बिहार के विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने जनप्रतिनिधियों से लोगों के कल्याण के लिए काम करने का आग्रह किया। राधाकृष्णन ने कहा, बिहार ने न केवल देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि आपातकाल के दौरान दूसरे स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई।

उपराष्ट्रपति ने आपातकाल के दौरान प्रसिद्ध जेपी आंदोलन में कॉलेज छात्र के रूप में अपनी भागीदारी को याद किया। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने उनकी राजनीतिक यात्रा को गहराई से प्रभावित किया। भारत में 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल लागू रहा था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि बिहार ने राजेंद्र प्रसाद सिंह से लेकर जयप्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर तक कई महान विभूतियां दी हैं, जिन्होंने गरीबों की बेहतरी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, ''चुनाव भले ही राजनीतिक दलों की विचारधारा के आधार पर लड़े जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद लोगों और विकास के लिए मिलकर काम करना हमारी जिम्मेदारी है। सदन में विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन संविधान हम सभी का साझा मार्गदर्शक होना चाहिए।

मैं गांधी नहीं हूं, अपने जीवन के नायक स्वयं बनें : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षाविद् एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से किसी और के नेतृत्व का इंतजार करने के बजाय अपने ''जीवन के नायक'' स्वयं बनने का आग्रह करते हुए कहा कि वह सिर्फ एक ''सामान्य नागरिक'' हैं, न कि ''आधुनिक गांधी'' या कोई नायक।

'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) का परीक्षाओं संबंधी कथित अनियमितताओं के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन शनिवार को 22वें दिन भी जारी रहा। वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का यह 14वां दिन था। संगठन की ओर से साझा की गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अनुसार, भूख हड़ताल शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन साढ़े सात किलोग्राम कम हो गया है और उनका रक्तचाप 106/74 एमएम एचजी दर्ज किया गया।

वांगचुक ने शुक्रवार रात 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि वह पिछले दिन की तुलना में कम ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं लेकिन वह आंदोलन को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, ''आज मेरी भूख हड़ताल का 13वां दिन है। मुझे कल जितनी ऊर्जा महसूस नहीं हो

रही है। थोड़ी थकान महसूस हो रही है। ऐसा होता है-कुछ दिन बेहतर महसूस होता है और कुछ दिन नहीं।'' वांगचुक ने सोशल मीडिया पर आंदोलन का समर्थन करने के लिए लोगों का आभार जताते हुए कहा कि दो तरह की टिप्पणियों से उन्हें निराशा होती है।

उन्होंने कहा, ''कई लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कहते हैं। कुछ लोग मुझे नायक कहते हैं। ऐसी टिप्पणियां मुझे असहज करती हैं। मैं न तो गांधी हूं और न ही कोई नायक। मैं सिर्फ एक सामान्य नागरिक हूं जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाने की कोशिश की है।''

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी और में अपना नायक तलाशने के बजाय नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। वांगचुक ने कहा, ''कृपया किसी और में नायक मत तलाशिए। अपने जीवन के नायक स्वयं बनिए। एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाइए।''

वांगचुक ने परीक्षा संबंधी ''अनियमितताओं से'' कथित रूप से जुड़ी विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाओं का उल्लेख करते हुए लोगों से मूकदर्शक बने रहने के बजाय आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यदि उन विद्यार्थियों में से कोई आपकी बहन या बेटी होती तो आप हमारे साथ जुड़ते लेकिन इसका इंतजार मत कीजिए।

यदि आप प्रतिदिन यहां नहीं आ सकते तो कम से कम एक दिन जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़िए। यदि दिल्ली नहीं आ सकते तो जहां हैं, वहीं अनशन कीजिए और अपना संदेश साझा कीजिए।

सुविचार

सिर्फ अपनी जीभ पर नियंत्रण रख लेने से जीवन के आधे संकट अपने आप टल जाते हैं।

ट्वीट

जोधपुर में, बावड़ी केलवा स्थित केशव प्रिया गौशाला में आयोजित श्री राम कथा पाठ में, मुझे दिव्य कथा सुनने का पुण्य मिला। मुझे व्यास पीठ पर विराजमान पूज्य कथावाचक श्री मुरलीधर जी महाराज का आशीर्वाद भी मिला।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

चार दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है, जिसने हमारे रिश्तों में एक अहम नया चैप्टर शुरू किया है। लोगों के बीच मेलजोल में नई तेज़ी हमारी दोस्ती की बढ़ती गहराई को दिखाती है।

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

इंसानियत

महेन्द्र तिवारी

सविता पहले इन बातों से परेशान हो जाती थी, लेकिन अब उसके भीतर एक नया आत्मविश्वास जन्म लेने लगा था। उसे पता था कि कुछ लोग उसके असफल होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो उसकी सफलता की उम्मीद कर रहे हैं। वर्षों तक संघर्ष चलता रहा। कई बार आर्थिक परेशानियां सामने आईं। फीस भरने के लिए घर की कुछ चीजें बेचनी पड़ीं। कई त्योहार बिना नए कपड़ों के गुजर गए। लेकिन अमन और सविता ने हार नहीं मानी।

गांव के बाहरी छोर पर बने उस पुराने घर में कभी बहुत रौनक हुआ करती थी। घर के आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, रसोई से उठती खुशबू पूरे मोहल्ले को अपनी ओर खींच लेती थी और शाम को परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर दिनभर की बातें किया करते थे। उस घर की बड़ी बहू सविता अपने स्वभाव, मेहनत और मधुर व्यवहार के कारण पूरे परिवार की प्रिय थी। उसके पति राजेश गांव के स्कूल में अध्यापक थे और सभी उनका बहुत सम्मान करते थे।

लेकिन जिंदगी हमेशा एक जैसी नहीं रहती। एक बरसाती शाम राजेश शहर से लौट रहे थे कि रास्ते में हुए एक सड़क हादसे ने सब कुछ बदल दिया। खबर जब गांव पहुंची तो पूरे परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। सविता की दुनिया एक ही पल में उजड़ गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया। दो छोटे बच्चों की जिम्मेदारी, भविष्य की चिंता और पति को खोने का दुख, सब कुछ एक साथ उसके कंधों पर आ गिरा।

शुरू के कुछ दिनों तक लोग संवेदना व्यक्त करने आते रहे। लेकिन समय बीतते ही वही लोग धीरे-धीरे बदलने लगे। गांव में फुसफुसाहटें शुरू हो गईं। कुछ लोग कहते, अब इसका क्या होगा? कुछ कहते, विधवा औरत की जिंदगी तो बस बच्चों को पालने में निकल जाती है। कुछ लोग तो यहां तक कह देते कि अब उसे अपने सपनों और इच्छाओं के बारे में सोचना ही छोड़ देना चाहिए।

सविता हर ताना चुपचाप सुन लेती। वह जानती थी कि समाज का मुंह बंद नहीं किया जा सकता। लेकिन सबसे अधिक पीड़ा उसे तब होती जब कुछ रिश्तेदार भी उससे दूरी बनाने लगे। जिन लोगों ने कभी उसे बेटी जैसा प्यार दिया था, वे अब उसे बोझ की तरह देखने लगे थे।

इसी परिवार में राजेश का छोटा भाई अमन भी रहता था। उम्र में सविता से छोटा होने के बावजूद वह उसे हमेशा बड़ी बहन जैसा सम्मान देता था। राजेश के जाने के बाद उसने देखा कि उसकी भाभी भीतर ही भीतर टूट रही हैं। वह समझ गया कि इस समय उन्हें दया नहीं, बल्कि सम्मान और सहारे की जरूरत है।

एक दिन उसने सविता से कहा, भाभी, जिंदगी यहीं खत्म नहीं हुई है। भैया हमेशा चाहते थे कि आप आगे बढ़ें। आपको बच्चों के लिए और अपने लिए मजबूत बनना होगा।

सविता ने उदास होकर कहा, अब मेरे लिए क्या बचा है अमन? लोग तो मुझे देखकर तरह-तरह की बातें करते हैं।

अमन मुस्कराया और बोला, लोगों का काम बातें करना है। अगर हम उनकी सुनते रहेंगे तो कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।

उस दिन के बाद अमन ने एक फैसला किया। वह हर कदम पर अपनी भाभी का साथ देगा। उसने घर के कामों में मदद करनी शुरू कर दी। बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखने लगा। जब भी कोई रिश्तेदार या पड़ोसी सविता के बारे में अनुचित बातें करता, वह विनम्रता से लेकिन दृढ़ता के साथ उनका जवाब देता।

धीरे-धीरे अमन को एक बात समझ आने लगी। सविता पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। शादी से पहले उसका सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन परिस्थितियों और जिम्मेदारियों के कारण वह सपना अधूरा रह गया था।

एक दिन अमन ने पूछा, भाभी, अगर आपको मौका मिले तो क्या आप फिर पढ़ाई करना चाहेंगी?

सविता ने हैरानी से उसकी ओर देखा। वर्षों बाद किसी ने उसके सपनों के बारे में पूछा था।

अब इस उम्र में? उसने संकोच से कहा।

उम्र सपनों को नहीं रोकती, अमन ने जवाब दिया।

उस रात सविता बहुत देर तक सो नहीं सकी। उसके मन में पुराने सपने जाग उठे। लेकिन अगले ही पल उसे समाज की बातें याद आ गईं। लोग क्या कहेंगे? बच्चे कैसे संभलेंगे? खर्च कहां से आएगा?

अमन ने उसकी सारी चिंताओं को समझ लिया। उसने कहा, आप बस पढ़ाई शुरू कीजिए। बाकी जिम्मेदारियां हम मिलकर संभाल लेंगे।

शुरुआत आसान नहीं थी। दिनभर घर और बच्चों की जिम्मेदारी निभाने के बाद रात में पढ़ाई करना बेहद कठिन था। कई बार थकान इतनी होती कि किताब हाथ में लिए-लिए ही आंख लग जाती। लेकिन हर बार अमन उसे हिम्मत देता।

गांव के लोग फिर बातें करने लगे।

देखो, अब डॉक्टर बनने चली है।

इस उम्र में पढ़ाई करेगी?

घर संभाले या किताबें पढ़े?

सविता पहले इन बातों से परेशान हो जाती थी, लेकिन अब उसके भीतर एक नया आत्मविश्वास जन्म लेने लगा था। उसे पता था कि कुछ लोग उसके असफल होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो उसकी सफलता की उम्मीद कर रहे हैं।

वर्षों तक संघर्ष चलता रहा। कई बार आर्थिक परेशानियां सामने आईं। फीस भरने के लिए घर की कुछ चीजें बेचनी पड़ीं। कई त्योहार बिना नए कपड़ों के गुजर गए। लेकिन अमन और सविता ने हार नहीं मानी।

बच्चे भी धीरे-धीरे समझदार हो गए थे। वे अपनी मां को पढ़ते देखकर गर्व महसूस करते थे। जब सविता देर रात तक पढ़ती, तो उसकी बेटी चुपचाप उसके लिए चाय बना लाती। बेटा अपनी कॉपियां लेकर उसके पास बैठ जाता ताकि मां को अकेलापन महसूस न हो।

समय अपनी गति से चलता रहा। मेहनत के बीज धीरे-धीरे फल देने लगे। सविता ने परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। फिर उसे मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिल गया।

जिस दिन यह खबर आई, उस दिन अमन की आंखों में खुशी के आंसू थे। उसने कहा, भाभी, यह तो बस शुरुआत है।

कॉलेज का जीवन भी चुनौतियों से भरा था। वहां अधिकतर छात्र उससे उम्र में छोटे थे। कई बार उसे असहज महसूस होता। लेकिन उसने अपने लक्ष्य से नजर नहीं हटाई।

हर कठिन दिन के बाद उसे अपने बच्चों का चेहरा याद आता। उसे अमन का विश्वास याद आता। और फिर वह दोबारा पूरी ताकत से जुट जाती।

साल दर साल बीतते गए। आखिर वह दिन भी आया जिसका इंतजार पूरे परिवार को था। सविता ने अपनी मेडिकल शिक्षा पूरी कर ली थी।

दीक्षांत समारोह में जब उसका नाम पुकारा गया और उसे डॉक्टर की उपाधि दी गई, तो सभागार तालियों से गूंज उठा। मंच से नीचे बैठे उसके बच्चे खुशी से रो रहे थे। अमन की आंखें भी नम थीं।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सविता सबसे पहले अमन के पास आई। उसने कहा, आज अगर मैं यहां तक पहुंची हूं तो इसकी सबसे बड़ी वजह तुम हो।

अमन ने मुस्कराकर कहा, नहीं भाभी, मैंने सिर्फ आपका साथ दिया है। रास्ता आपने खुद तय किया है।

कुछ वर्षों बाद सविता ने अपने क्षेत्र में एक छोटा अस्पताल खोला। वहां गरीब मरीजों का कम खर्च में इलाज किया जाता था। गांव और आसपास के लोग अब उसे सम्मान की नजर से देखते थे।

सबसे दिलचस्प बात यह थी कि वही लोग, जो कभी उसके सपनों का मजाक उड़ाते थे, अब उसकी प्रशंसा करते नहीं थकते थे।

लेकिन सविता के मन में किसी के लिए कोई कटुता नहीं थी। संघर्ष ने उसे मजबूत बनाया था, कठोर नहीं। एक दिन अस्पताल में एक बुजुर्ग महिला इलाज कराने आई। बातचीत के दौरान उसने कहा, बेटी, तुम्हारी कहानी सुनकर लगता है कि भगवान अच्छे लोगों की मदद जरूर करता है। सविता मुस्कराई और बोली, भगवान मदद करता है, लेकिन अक्सर किसी इंसान के रूप में। मेरी जिंदगी में वह मदद मेरे परिवार और मेरे देवर के रूप में आई थी। उस शाम अस्पताल से लौटते समय उसने आसमान की ओर देखा। उसे अपने दिवंगत पति की याद आई। उसे लगा जैसे कहीं न कहीं वे भी उसकी इस सफलता को देखकर मुस्करा रहे होंगे। घर पहुंचकर उसने आंगन में खेलते बच्चों को देखा। कभी यही बच्चे उसके संघर्ष का कारण थे और यही उसकी ताकत भी बने। उसने महसूस किया कि जीवन की सबसे बड़ी जीत केवल मंजिल तक पहुंचना नहीं है, बल्कि रास्ते में अपने मानवीय मूल्यों को बचाए रखना है।

अमन आज भी पहले की तरह विनम्र था। उसने कभी अपने योगदान का श्रेय नहीं लिया। लेकिन सविता जानती थी कि अगर उस कठिन समय में उसने उसका हाथ न थामा होता, तो शायद उसकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती।

उसने सीखा था कि रिश्ते केवल खून के नहीं होते। कई बार सम्मान, भरोसा और इंसानियत ऐसे बंधन बना देते हैं जो जन्म से मिले रिश्तों से भी अधिक मजबूत साबित होते हैं।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

स्थितप्रज्ञ

एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर हमारी सोसायटी के पास ही रहा करते थे। सज्जन व्यक्ति थे।अकस्मात मृत्यु हो गई। एक दिन लगभग उसी जगह एक रिक्शा खड़ा देखा तो वे सज्जन याद आए। विचार उठा कि आदमी के जाने के बाद कोई उसे कितने दिन याद रखता है? चिता को अग्नि देने के बाद परिजनों के पास थोड़ी देर रुकने का समय भी नहीं होता।

एक घटना स्मरण हो आई। एक करीबी परिचित परिवार में शोक प्रसंग था। अंतिम संस्कार के समय, मैं श्मशान में उपस्थित था। सारी प्रक्रिया चल रही थी। लकड़ियाँ लगाई जा रही थीं। साथ के दाहकुंड में कुछ युवा एक अधेड़ की देह लेकर आए थे। उन्होंने नाममात्र लकड़ियाँ लेकर अधिकांश उपलों का उपयोग किया। श्मशान का कर्मचारी समझाता रह गया, पर केवल उपलों के उपयोग से से देह के शीघ्र फुँक जाने का गणित समझा कर अग्नि देने के तुरंत बाद वे सब चलते बने।

हमें सारी तैयारी में समय लगा। दाह दिया गया। तभी साथ वाले कुंड पर दृष्टि गई तो जो दृश्य दिखा, उससे भीतर तक मन हिल गया। मानो वीभत्स और विदारक एक साथ सामने हों। उस देह का एक पाँव अधजली अवस्था में लगभग पचास अंश में ऊपर की ओर उठ गया था। अधिकांश उपलों के जल जाने के कारण देह के कुछ अन्य भाग भी दिखाई दे रहे थे।

श्मशान के कर्मचारी से सम्पर्क करने पर उसने बताया कि हर दिन ऐसे एक-दो मामले तो होते ही हैं, जिनमें परिजन तुरंत चले जाते हैं। बाद में फोन करने पर भी नहीं आते। अंततः मृत देह का समुचित संस्कार श्मशान के कर्मचारी ही करते हैं। लोकमान्यता है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भी कोई न कोई होता है। अपनी कविता 'स्थितप्रज्ञ' याद हो आई-

शव को / जलाते हैं / दफनाते हैं,
शोक, विलाप / रुदन, प्रलाप,
अस्थियाँ, माँस, / लकड़ियाँ, बाँस,
बंद मुटठी लिए / आदमी का आना,
मुटठी भर होकर / आदमी का जाना,
सब देखते हैं /सब समझते हैं,
निष्ठा से / अपना काम करते हैं,
श्मशान के ये कर्मचारी
परायों की भीड़ में /अपनों से लगते हैं,
घर लौटकर /रोज़ाना की सारी भूमिकाएँ
आनंद से निभाते हैं / विवाह, उत्सव
पर्व, त्यौहार /सभी मनाते हैं
खाते हैं, पीते हैं / नाचते हैं, गाते हैं,
स्थितप्रज्ञता को भगवान,
मोक्षद्वार घोषित करते हैं,
संभवतः / ऐसे ही लोगों को,
स्थितप्रज्ञ कहते हैं..!

विश्वास हो गया कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भी कोई न कोई होता है। इस स्थितप्रज्ञता को प्रणाम !

बोध कथा

चिड़िया और बन्दर

एक जंगल में एक पेड़ पर गौरैया का घोंसला था। एक दिन कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। ठंड से कांपते हुए तीन चार बंदरो ने उसी पेड़ के नीचे आश्रय लिया। एक बंदर बोला कहीं से आग तापने को मिले तो ठंड दूर हो सकती हैं। दूसरे बंदर ने सुझाया देखो, यहां कितनी सूखी पत्तियां गिरी पड़ी हैं। इन्हें इकट्ठा कर हम ढेर लगाते हैं और फिर उसे सुलगाने का उपाय सोचते हैं।

बंदरों ने सूखी पत्तियों का ढेर बनाया और फिर गोल दायरे में बैठकर सोचने लगे कि ढेर को कैसे सुलगाया जाए। तभी एक बंदर की नजर दूर हवा में उड़ते एक जुगनू पर पड़ी और वह उछल पड़ा। उधर ही दौड़ता हुआ चिल्लाने लगा देखो, हवा में चिंगारी उड़ रही हैं। इसे पकड़कर ढेर के नीचे रखकर फूंक मारने से आग सुलग जाएगी।

हां हां! कहते हुए बाकी बंदर भी उधर दौड़ने लगे। पेड़ पर अपने घोंसले में बैठी गौरैया यह सब देख रही थे। उससे चुप नहीं रहा गया। वह बोली बंदर भाइयो, यह चिंगारी नहीं हैं यह तो जुगनू हैं।

एक बंदर क्रोध से गौरैया की देखकर गुर्राया मूर्ख चिड़िया, चुपचाप घोंसले में दुबकी रह।हमें सिखाने चली है।

इस बीच एक बंदर उछलकर जुगनू को अपनी हथेलियों के बीच कटोरा बनाकर कैद करने में सफल हो गया। जुगनू को ढेर के नीचे रख दिया गया और सारे बंदर लगे चारों ओर से ढेर में फूंक मारने।

गौरैया ने सलाह दी भाइयो! आप लोग गलती कर रहे हैं। जुगनू से आग नहीं सुलगेगी। दो पत्थरों को टकराकर उससे चिंगारी पैदा करके आग सुलगाइए।

बंदरों ने गौरैया को घूरा। आग नहीं सुलगी तो गौरैया फिर बोल उठी भाइयो! आप मेरी सलाह मानिए, कम से कम दो सूखी लकड़ियों को आपस में रगड़कर देखिए।

सारे बंदर आग न सुलगा पाने के कारण खीजे हुए थे। एक बंदर क्रोध से भरकर आगे बढ़ा और उसने गौरैया पकड़कर जोर से पेड़ के तने पर मारा। गौरैया फड़फड़ाती हुई नीचे गिरी और मर गई।

सीख : 1. बिना मांगे किसी को भी सलाह नहीं देनी चाहिए, खासकर मूर्ख व्यक्ति को तो बिलकुल भी नहीं।

2. मूर्खों को सीख या सलाह देने का कोई लाभ नहीं होता। उल्टे सीख देने वाले को ही पछताना पड़ता हैं।

देवता की सीख

गांव में एक मंदिर था। मंदिर के पास एक महात्मा जी रहते थे। वे मंदिर के देवता की पूजा और आरती करते थे।

माधव एक होनहार बच्चा था। वह पढ़ाई में बहुत होशियार था। माधव कभी कभी महात्मा जी के पास चला जाता था। महात्मा जी उसे बहुत प्यार करते थे।

एक दिन माधव ने महात्मा जी से पूछा – '' बाबा , क्या देवता सचमुच होते हैं ?''

'' हाँ , बेटा '' महात्मा जी ने कहा। ''देवता क्या करते हैं ? '' माधव ने पूछा।

'' वह सब कुछ कर सकते हैं। सब कुछ दे सकते हैं '' महात्मा जी बोले। माधव देवता के मंदिर में गया और मन ही मन देवता से कुछ माँगा। उसे लगा देवता ने उसकी बात मान ली है। धीरे धीरे माधव खेलकूद पर अधिक ध्यान देने लगा। एक दिन माधव ने सपना देखा। देवता सामने खड़े थे। उन्होंने माधव से कहा – '' यह सही है कि मैं सब कुछ दे सकता हूँ, किन्तु जो मेहनत करते हैं , उन्हीं को देता हूँ। जो मेहनत नहीं करते ,उन्हें कुछ नहीं देता। यदि मैं बिना मेहनत करने वालों को देता रहा ,तो सब आलसी हो जायेंगे। तुम्हारा खेलने जाना तो ठीक है परन्तु पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान दो। अगर पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया तो दूसरे बच्चे तुमसे आगे निकल जायेंगे। '' नींद से जागने पर माधव ने महात्मा जी को अपने सपने के बारे में बताया। महात्मा जी ने कहा – देवता भी मेहनत करने वाले को ही देते हैं। माधव मन लगाकर पढ़ाई करने लगा। परीक्षाफल आया तो वह अपनी कक्षा में पहले स्थान पर था।

वीर गाथा

नायक टेप याजो : बाधाओं से टकराकर भी नहीं डिगा हौसला, खूंखार आतंकवादियों का किया खात्मा

नायक टेप याजो का जन्म 19 अगस्त, 1977 को अरुणाचल प्रदेश के शि-योमी ज़िले के कारो गांव में हुआ था। माता यप्पोन याजो और पिता तमांग याजो के बेटे टेप याजो बहुत अनुशासित, साहसी और देशभक्त थे।

वे दिसंबर 1995 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें असम रेजिमेंट की पहली बटालियन में शामिल किया गया था। टेप याजो ने कई सैन्य अभियानों में भाग लिया और पराक्रम का प्रदर्शन किया था। वे साल 2008 में अपनी बटालियन के साथ जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के हमले हो रहे थे। घुसपैठ का खतरा बना हुआ था।

सितंबर 2008 में सेना को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि कालास जंगल के इलाके में भारी हथियारों से लैस कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। इसके बाद 'ऑपरेशन कालास' चलाया गया। नायक टेप याजो अपने जवानों का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें एक बड़े पत्थर के पीछे कुछ हलचल दिखाई दी। उन्होंने गौर किया तो पता चला कि वहां एक आतंकवादी छिपा हुआ था। टेप याजो ने एक क्षण भी नहीं गंवाया। वे आतंकवादी की ओर बढ़े तथा उसका खात्मा कर दिया।

अचानक एक और आतंकवादी आगे आया। उसने ग्रेनेड से हमला किया। इससे टेप याजो गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने इसके बावजूद पीछे हटने से इन्कार कर दिया। वे झाड़ियों के बीच रेंगते हुए आगे बढ़े और उस आतंकवादी का पता लगा लिया। उन्होंने उसे भी मार गिराया। इसी दौरान तीसरे आतंकवादी ने उन पर गोलियां चलाईं। इससे टेप याजो लहूलुहान हो गए। उन्होंने अपना कर्तव्य निभाते हुए 22 सितंबर, 2008 को देश के लिए बलिदान दे दिया।

नायक टेप याजो ने बेमिसाल हिम्मत, कुशल नेतृत्व और कर्तव्य के लिए अटूट निष्ठा दिखाते हुए मिसाल कायम की। उनका जीवन हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत दुनिया को विकास का नया मॉडल दे रहा है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑकलैंड/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व है और वह दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। मोदी ने ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के किया 'ओरा मोदी' नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे।मोदी ने लोगों की तालियों और उत्साह के बीच कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। भारत ड्रोन प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में नई ऊंचाइयां छू रहा है। इस दौरान लोगों ने तालियां बजाईं और मोदी-मोदी के नारे लगाए। मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा को गति देगा। उन्होंने कहा, इससे भारत और न्यूजीलैंड, दोनों देशों के कारोबारियों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे थे। पिछले 40 वर्ष में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को एक मफलर दिखाया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले करीब 25-30 वर्ष पूर्व जब वह न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह उपहार में मिला था।

मोदी ने न्यूजीलैंड में खेलों से जुड़ी प्रदर्शनी का दौरा किया

ऑकलैंड/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के अत्याधुनिक खेल उपकरणों और प्रौद्योगिकी से जुड़ी एक प्रदर्शनी का दौरा किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन न्यूजीलैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के सहयोग से किया जा रहा है। मोदी अपने तीन देशों के दौरे के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड में हैं। किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का यह 40 वर्षों में पहला दौरा है। खेल उपकरण प्रदर्शनी में उनके साथ न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी थे।

मोदी ने एक्स पर लिखा, खेल हमेशा से भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते रहे हैं। इस साल हम इन जीवंत खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मना रहे हैं। उन्होंने कहा, ऑकलैंड में प्रधानमंत्री लक्सन और मैं खेलों से जुड़ी एक प्रदर्शनी को देखने गए जहां हमने अत्याधुनिक खेल नवाचारों की एक श्रृंखला देखी। यह देखना अद्भुत था कि कैसे प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता खेलों के भविष्य को आकार दे रही है और साथ ही हमारे दोनों देशों के संबंध प्रगाढ़ कर रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने इस प्रदर्शनी में लगाए गए उपकरणों का जायजा लिया। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इन दोनों नेताओं ने न्यूजीलैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों और खेल जगत की हस्तियों द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी में अत्याधुनिक खेल उपकरणों और प्रौद्योगिकी को देखा। इस प्रदर्शनी में मोदी ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच 100 वर्षों के खेल संबंधों को याद किया और कहा कि इस यात्रा के दौरान जारी खेल संयुक्त कार्य योजना दोनों देशों को क्रिकेट से इतर संबंधों का विस्तार करने में मदद करेगी।

खामेनेई के अंतिम संस्कार में ट्रंप की हत्या के आह्वान

दुबई/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी हत्या का खुले तौर पर आह्वान किए जाने के बाद शनिवार को ईरान को धमकी दी। इससे पश्चिम एशिया में जारी तनाव एक बार फिर उजागर हुआ है, जहां युद्ध समाप्त करने के लिए हुआ अंतरिम समझौता क्षेत्र में बार-बार हो रहे हमलों के कारण कमजोर पड़ता जा रहा है। ट्रंप की इस टिप्पणी से पहले अमेरिका ने ईरान से सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने की मांग की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले पोतों पर अब हमले नहीं किए जाएंगे।

तेहरान ने अब तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। इसके बजाय उसने कहा है कि यह समुद्री मार्ग उसके नियंत्रण में रहना चाहिए और वहां से गुजरने वाले पोतों से उसे शुल्क वसूलने की अनुमति मिलनी चाहिए। ईरान का यह रुख होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानने की दशकों पुरानी व्यवस्था के विपरीत है। अमेरिका कुछ दिनों से ईरान को निशाना बनाकर फिर से हवाई हमले कर रहा है जिसके जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया के कई देशों पर हमले किए हैं। ये हमले इस सप्ताह की शुरुआत में होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन पोतों पर ईरान के हमले के बाद शुरू हुए थे। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, एक हजार मिसाइलें तैयार हैं और उनका निशाना ईरान है।

सरकारी समिति ने 'सतलुज' फिल्म पर प्रतिबंध को सही ठहराया

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' की सामग्री की समीक्षा के लिए गठित एक समिति ने ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर इसके प्रदर्शन पर प्रतिबंध जारी रखने की सिफारिश की है, क्योंकि यह फिल्म कथित तौर पर भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ है। सरकारी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

हनी त्रेहन के निर्देशन में बनी यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने वर्ष 1984 से 1994 के बीच पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के अंतिम संस्कार किए जाने के मामलों की पड़ताल की थी। बाद में, वर्ष 1995 में राज्य पुलिस द्वारा कथित तौर पर उनका अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिए जाने के बाद, तीन जुलाई को प्रदर्शन के महज दो दिन बाद ही इस फिल्म को भारत में ओटीटी मंच 'ज़ी5' से हटा दिया गया था। इसके बाद, मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के तहत एक अंतर-विभागीय समिति का गठन किया ताकि फिल्म की विस्तृत जांच कर आगे की कार्रवाई के लिए सुझाव दिए जा सकें।

इस बीच, पंजाब में इस मुद्दे ने राजनीतिक रूप ले लिया और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने इस फिल्म से प्रतिबंध हटाने की मांग की। वहीं, शिरोमणि अकाली दल ने पूरे राज्य में इस फिल्म को दिखाने की योजना का ऐलान किया है।

उन्होंने कभी टूटने नहीं दिया हौसला, हमेशा कहा- रुकना मत : हेमा मालिनी

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी और 'ही-मैन' धर्मेंद्र की जोड़ी सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में रही है। दोनों ने साथ मिलकर कई सुपरहिट फिल्में दीं और दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। धर्मेंद्र के निधन के बाद भी हेमा मालिनी अक्सर उनसे जुड़ी यादों को साझा करती रहती हैं। अब अपने फिल्मी करियर के 60 साल पूरे होने के मौके पर उन्होंने एक बार फिर अपने जीवनसाथी को याद करते हुए बताया कि धर्मेंद्र ने हर मुश्किल दौर में उनका मनोबल बढ़ाया और कभी भी उन्हें अपनी क्षमताओं पर शक नहीं करने दिया। आईएएनएस को दिए खास इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने अपने छह दशक लंबे फिल्मी सफर, बदलती जिंदगी और धर्मेंद्र के साथ मिले अटूट सहयोग पर खुलकर बात की। यह बातचीत उनके खास कार्यक्रम 'हेमा मालिनी: लाइव इन कॉन्सर्ट' से पहले हुई, जो उनके 60 साल के शानदार सिनेमाई सफर का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

अपने करियर को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा, ''मेरे जीवन में हमेशा वही हुआ, जो समय के अनुसार होना था। 70 और 80 का दशक मेरे लिए काफी व्यस्त दौर था। मैंने लगातार कई फिल्मों में काम किया। इसके बाद कुछ समय का ब्रेक आया, फिर मैंने 'बागबान' और कुछ अन्य फिल्मों में काम किया। हालांकि, मैं कभी खाली नहीं रही। डांस शो, बैले और कई दूसरी चीजों में लगातार व्यस्त रही।

बाद में जब मैं सांसद बनी, तो मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। आज भी मैं लोगों के बीच रहती हूं और खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे जनता की सेवा करने का मौका मिला। पहले मैं फिल्मों, डांस और मंचीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों का मनोरंजन करती थी, अब मथुरा की जनता की सेवा करना मेरे जीवन का अहम हिस्सा है।''

उन्होंने आगे कहा, ''आज भी जब लोग मुझे देखते हैं तो उन्हें सबसे पहले मेरा लोकप्रिय किरदार 'बसंती' याद आता है। मथुरा में मेरे क्षेत्र के लोग अक्सर मुझसे कहते हैं कि बसंती का कोई डायलॉग बोलिए। इतने साल बीत जाने के बाद भी लोगों के दिलों में वह किरदार आज भी जिंदा है। यह मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।''इंटरव्यू के दौरान हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के उस साथ का भी जिक्र किया, जिसने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, ''धर्म जी हमेशा मुझसे कहते थे कि कभी यह मत सोचना कि फिल्में कम कर रही हो, इसलिए सब खत्म हो गया है।

तुम अपने डांस शो कर रही हो, दूसरी कई चीजों में हिस्सा ले रही हो। रुकना मत, बस इसी तरह आगे बढ़ती रहो। उन्हें हमेशा यह देखकर खुशी होती थी कि मैं किसी न किसी काम में व्यस्त रहती हूं। वह मेरी हर कोशिश की सराहना करते थे और हमेशा कहते थे कि जो कर रही हो, उसे कभी मत छोड़ना।'' उन्होंने बताया कि धर्मेंद्र का यह भरोसा और प्रोत्साहन ही था, जिसने उन्हें हर दौर में सक्रिय बनाए रखा।

'रहूँ मैं तेरे रूबरू' का पहला गीत 'जन्नत की सैर' हुआ रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म रहूँ मैं तेरे रूबरू के निर्माताओं ने फिल्म का पहला गीत 'जन्नत की सैर' रिलीज़ कर दिया है, जिसने दर्शकों को इस साल की सबसे ताज़गीभरी प्रेम कहानियों में से एक की भावनात्मक झलक दी है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड प्रस्तुत इस मधुर रोमांटिक गीत में प्यार की मासूमियत, अपनापन और गहराई को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया है। यह गीत 17 जुलाई 2026 को होने वाली फिल्म की पैन-इंडिया सिनेमाघर रिलीज़ से पहले दर्शकों के बीच रोमांस का खूबसूरत माहौल तैयार करता है। शाहिद माल्या और खुशबू जैन की सुरीली आवाज़ों में सजा 'जन्नत की सैर' एक बेहद खूबसूरती से रचा गया रोमांटिक गीत है, जो फिल्म के मुख्य कलाकार आर्या कुमार और नीता शेट्टी के बीच की मासूमियत, प्रेम और भावनात्मक जुड़ाव को बखूबी प्रस्तुत करता है। अपनी सुकूनभरी धुन, दिल को छू लेने वाली गायकी और आकर्षक दृश्यांकन के साथ यह गीत फिल्म की कहानी को और भी प्रभावशाली बनाता है तथा दर्शकों को उस प्रेम की झलक दिखाता है, जो फिल्म के रहस्यपूर्ण कथानक का सबसे अहम हिस्सा है। सोनू राव के मधुर संगीत और शब्बीर सुर्वे के अर्थपूर्ण गीतों से सजा यह गाना भावनाओं और सिनेमाई भव्यता का शानदार संगम प्रस्तुत करता है। संजू जाधव द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस गीत को सिनेमैटोग्राफर कमल एस. चौपाल और सोनू कुमार तिवारी ने अपनी खूबसूरत सिनेमैटोग्राफी से और भी आकर्षक बना दिया है, जिससे यह गीत दृश्य और भावनात्मक दोनों ही स्तरों पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करता है। जहाँ फिल्म की कहानी रोमांस, सस्पेंस, चौंकाने वाले रहस्यों और अप्रत्याशित मोड़ों से भरपूर एक दिलचस्प मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है, वहीं 'जन्नत की सैर' दर्शकों को इसके कोमल और भावनात्मक पक्ष से रूबरू कराता है। यह गीत न केवल मुख्य कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री को और मजबूत बनाता है, बल्कि आगे कहानी में सामने आने वाले भावनात्मक संघर्षों की भी हल्की झलक देता है।

अपने पहले लुक पोस्टर, दिलचस्प टीज़र और दमदार ट्रेलर को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद रहूँ मैं तेरे रूबरू को लेकर दर्शकों के बीच लगातार उत्सुकता बढ़ती जा रही है।

अब 'जन्नत की सैर' इस साल का रोमांटिक एंथम बनने की ओर अग्रसर है, जो अपनी मधुर धुन, दिल को छू लेने वाले बोल और भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से पुराने दौर के सच्चे और निष्कलंक प्रेम की खूबसूरत याद दिलाता है। यह गीत फिल्म की रोमांचक और रहस्यमयी कहानी के साथ एक सच्चे, ताज़गीभरे और बेहद भावुक प्रेम को खूबसूरती से संतुलित करता है।

इंदर दास द्वारा निर्देशित रहूँ मैं तेरे रूबरू में आर्या कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। फिल्म की पटकथा आर्या कुमार ने लिखी है, जबकि क्रिएटिव डायरेक्शन की जिम्मेदारी आर्या कुमार और हिमांशु तिवारी ने संभाली है। एस. एस. एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ द्वारा निर्मित इस फिल्म का संपादन हिमांशु तिवारी ने किया है, जबकि फिल्म का प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर शैलेश राव ने तैयार किया है। रहूँ मैं तेरे रूबरू 17 जुलाई 2026 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बारुईपुर केस पर मुनमुन दत्ता ने जताया दुख

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता ने कोलकाता के बारुईपुर में 12 साल की लड़की के रेप और मर्डर केस पर अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि वे इन लोगों को ढूंढें और बच्ची को इंसाफ दिलाएं। मुनमुन दत्ता ने एक पोस्टर शेयर किया, जिस पर लिखा था, बारुईपुर के लिए इंसाफ। कैप्शन में उन्होंने बस इतना लिखा, 12 साल की लड़की, एक छोटी सी बच्ची, जिसका रेप और मर्डर कर दिया गया। इन लोगों को ढूंढो।पश्चिम बंगाल के बारुईपुर इलाके में 5 जुलाई को एक तालाब से 12 साल की लड़की का शव मिला। वह 4 जुलाई से लापता थी। मृतक लड़की के परिवार वालों का आरोप है कि उसके साथ रेप हुआ और फिर उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। नाबालिग लड़की के शव का पोस्टमार्टम 5 जुलाई की रात को पूरा हुआ। पुलिस का कहना है कि हत्या की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह भी पता चलेगा कि उसके साथ रेप हुआ था या नहीं और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का मामला दर्ज किया जाएगा।

सोमवार, 6 जुलाई को बारुईपुर पुलिस जिले ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले तीन पुलिस थानों के इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।निषेधाज्ञा लागू होने के साथ ही, इन तीन पुलिस थानों के इलाकों में एक ही समय और जगह पर पांच या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है।इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। रविवार को बारुईपुर में एक तालाब से नाबालिग लड़की का शव मिलने के बाद तनाव फैल गया था।स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि लड़की का हत्यारा होने के शक में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। लेकिन इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।एक्ट्रेस की बात करें तो मुनमुन दत्ता ने 2004 में 'हम सब बाराती' से अपने करियर की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस पूजा भट्ट की डायरेक्ट की गई फिल्म 'हॉलिडे' में एक छोटे से रोल में नजर आई थीं। डिनो मोरिया, गुलशन ग्रोवर और ओंजोली नायर स्टारर यह फिल्म 1987 की अमेरिकी फिल्म 'डर्टी डांसिंग' का रीमेक है।मुनमुन दत्ता अभी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ रही हैं, जो 'चित्रलेखा' मैगजीन के लिए तारक मेहता के साप्ताहिक कॉलम 'दुनिया ने उंधा चश्मा' पर आधारित है। यह भारत में सबसे लंबे समय तक चलने वाले टेलीविजन शो में से एक है।

तीर्थ दर्शन योजना

नागपुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को 'मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना' के तहत 'बोधगया दर्शन' ट्रेन यात्रा के शुभारंभ के दौरान एक लाभार्थी को ट्रेन का टिकट सौंपकर सम्मानित करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

महिलाओं के लिए खुद को उसी रूप में स्वीकारना जरूरी, जैसी वे हैं : स्मृति ईरानी

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन अभिनेत्री और राजनेता स्मृति ईरानी ने नारीत्व और व्यक्तित्व का जश्न मनाते हुए महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश शेयर किया है। 'वोइला' गीत का जिक्र करते हुए, जिसे मूल रूप से बारबरा प्रावी ने गाया था और बाद में एमा ने लोकप्रिय बनाया, स्मृति ने महिलाओं से खुद को उसी रूप में स्वीकार करने का आग्रह किया, जैसी वे हैं। उन्होंने महिलाओं को अपनी सच्चाई बोलने और कभी भी खुद पर शक करके अपनी अहमियत कम न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दुनिया को उनकी जरूरत उसी रूप में है, जैसी वे हैं। एक देवी की आधुनिक पेंटिंग के पास बैठी अपनी तस्वीर साझा करते हुए स्मृति ने लिखा, बारबरा प्रावी ने यह गीत गाया था और एमा ने इसे लाखों लोगों के दिलों तक पहुंचाया। दो असाधारण महिलाएं, दो अलग-अलग सफर और एक ऐसी याद, जो हमेशा ताजा रहेगी। उन्होंने कहा कि हर महिला की आवाज़ सुने जाने लायक होती है।

स्मृति ने आगे कहा, यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताया जाना चाहिए। एक ऐसी ज़िंदगी है, जिसे देखा और समझा जाना चाहिए। एक ऐसा जज़्बा है, जिसकी सराहना की जानी चाहिए। हम अक्सर अपनी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में बिता देते हैं। ऐसे में कई बार हम उस शांत हिम्मत को भूल जाते हैं, जो सिर्फ खुद जैसा बनने के लिए जरूरी होती है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अगर आज आप खुद पर शक कर रहे हैं, यह सोच रहे हैं कि क्या आप पर्याप्त हैं, या किसी और की सोच के अनुसार खुद को बदलने या छोटा करने की कोशिश कर रहे हैं, तो ऐसा न करें। उनके मुताबिक, अपनी जगह बनाओ। सच कहो। अपने ज़ख्मों को अपनाओ। अपनी ताकत का जश्न मनाओ। एक्ट्रेस ने कहा कि दुनिया को किसी और की नकल नहीं चाहिए, उसे आपकी जरूरत है। इसलिए खुद जैसे हैं, वैसे ही रहें। मैं भी अपनी पहचान के साथ आपके सामने हूं।स्मृति ने हाल ही में क्योंकि सास भी कभी बहू थी के दूसरे संस्करण में तुलसी विरानी की अपनी पुरानी भूमिका दोहराई है। इस शो का पहला संस्करण साल 2000 में प्रसारित हुआ था।यह पारिवारिक ड्रामा तुलसी विरानी और प्रभावशाली विरानी परिवार की कहानी पर आधारित है। इसके पहले संस्करण में स्मृति ईरानी, अमर उपाध्याय, रोनित रॉय, सुधा शिवपुरी, अपरा मेहता, मंदिरा बेदी, हितेन तेजवानी, गौरी प्रधान और मौनी रॉय सहित कई कलाकारों ने अभिनय किया था। करीब 25 वर्ष बाद इस धारावाहिक का रीप्राइज्ड संस्करण अगस्त 2025 में प्रसारित हुआ।

मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं : आकांक्षा चमोला

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने अब इस सच्चाई को स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है।

उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो? इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की।

इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी प्रतियोगी के तौर पर नजर आ रहे हैं।

तेरापंथ महिला मंडल कोयंबटूर द्वारा दो दिवसीय श्री उत्सव प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के गांधी पार्क स्थित तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय श्री उत्सव का शुभारम्भ शनिवार को तेरापंथ भवन में हुआ। श्री उत्सव के उद्घाटन सत्र में राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मूंदड़ा, उपाध्यक्ष जितेंद्र पुगलिया, जैन डायग्नोस्टिक सेंटर के अध्यक्ष महेश कांकरिया, संघ के मंत्री रोबिन बाबेल, स्थानीय तेरापंथ सभा के अध्यक्ष धनराज सेठिया, मंत्री रोहित बोथरा, तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष बच्छराज गिड़िया, मंत्री पूनम मरोठी, महासभा के कार्यकारिणी सदस्य राजकारण गिड़िया, राजस्थानी संघ के कमिटी सदस्य किशोर जैन ने किया। उद्घाटन सत्र में टाइटल स्पॉन्सर मनोहर किशोर रोहिणी सेठिया एवं उगम कंवर विनोद तनिष भंडारी का सम्मान किया गया। प्रायोजकों ने रिबन खोलकर श्रीउत्सव का उद्घाटन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष रूपकला भंडारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर किशोर गोलेछा, निशांत बैद एवं सुमन सुराणा का सम्मान किया गया। महिला मंडल की मंत्री रेखा मरोठी ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री उत्सव की संयोजिका बबीता गुनेचा ने किया। सह संयोजिका के रूप में चित्रा गोलेछा, वंदना पारख, रुचिका मालू का योगदान सराहनीय रहा। समाज के विभिन्न वर्गों से लगभग 50 स्टॉल (जिसमें कपड़े से लेकर अन्य कई दैनिक उपयोग की वस्तुऐं) एवं दो स्टाल टाइटल्स स्पॉन्सर द्वारा स्पॉन्सर कराए गए जो ट्रांसजेंडर एवं दिव्यांग व्यक्तियों को दिए गए।

संतों के सान्निध्य से मिलता है दिव्य ज्ञान, दृष्टि और शक्ति : आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान एवं आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी के सान्निध्य में शनिवार को वेपेरी स्थित गौतम किरण परिसर में चातुर्मास पूर्व क्षेत्रपाल पूजन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। पूजन का आयोजन इस मंगलभावना के साथ किया गया कि आगामी चातुर्मास निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो, साधु-साध्वियों की संयम साधना और आराधना में किसी प्रकार का विघ्न न आए, संघ में शांति, सौहार्द एवं धर्मभावना का वातावरण बना रहे तथा प्रवचन, तप, स्वाध्याय और आराधना का मंगलमय वातावरण विकसित हो, साथ ही श्रद्धालुओं में श्रद्धा, भक्ति और धर्मनिष्ठा का निरंतर विकास होता रहे। चातुर्मास से पूर्व आयोजित यह अधिष्ठायक देव क्षेत्रपाल पूजन धर्मरक्षा, विनय और मंगलकामना का प्रतीक माना जाता है।

इस अवसर पर आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जहां संतों का चातुर्मास होता है, वहां समाज को तीन अमूल्य आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, डिवाइन नॉलेज यानी दिव्य ज्ञान, डिवाइन विजन यानी दिव्य दृष्टि और डिवाइन पावर यानी दिव्य शक्ति। उन्होंने कहा कि दिव्य ज्ञान केवल संतों की वाणी और जिनवाणी के श्रवण से प्राप्त होता है। विद्यालय और महाविद्यालय सांसारिक ज्ञान दे सकते हैं, किंतु आत्मज्ञान का प्रकाश केवल संतों के सान्निध्य से ही मिलता है। प्रत्येक व्यक्ति में ज्ञान की क्षमता होती है, परंतु आत्मज्ञान के अभाव में उसका जीवन अधूरा रह जाता है।

आचार्यश्री ने कहा कि दिव्य दृष्टि का अर्थ है प्रत्येक परिस्थिति को आत्मदृष्टि से देखना। जब जीवन में आत्मदृष्टि जागृत होती है तो समता का भाव विकसित होता है, राग-द्वेष क्षीण होने लगते हैं तथा निराशा और हताशा स्वतः दूर हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि दिव्य शक्ति मनुष्य के आत्मबल को जागृत करती है। आज के समय में जब अनेक लोग मानसिक तनाव, निराशा और टूटे हुए मनोबल से जूझ रहे हैं, तब संतों का मार्गदर्शन भीतर की सुप्त शक्ति को जागृत कर जीवन की कठिन परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा देता है। इन तीनों दिव्य शक्तियों को जीवन में आत्मसात करने से व्यक्ति का जीवन संतुलित, सार्थक और कल्याणकारी बनता है। संतों का सान्निध्य आत्मोन्नति का दुर्लभ अवसर है, जिसे श्रद्धा, विनय और समर्पण के साथ ग्रहण करना चाहिए। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी, लाभार्थी परिवारों सहित अन्य श्रद्धालुओं ने उपस्थित रहकर श्रद्धापूर्वक क्षेत्रपाल पूजन में सहभागिता निभाई।

'धर्म आत्मपरिवर्तन का माध्यम है'

चेन्नई। खरतरगच्छीय गणिनी श्री सुलोचनाश्रीजी शिष्या साध्वीश्री प्रियरंजनाश्री जी ने पुरुषादानीय पार्श्वनाथ श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में शनिवार को आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिनवाणी का श्रवण वही कर पाता है, जिसके पुण्य जागृत होते हैं। धर्म केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि आत्मपरिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जैसे हम अपने घर के दरवाजे बंद रखते हैं ताकि बाहर की धूल-मिट्टी भीतर न आए, वैसे ही यदि कभी अपने अंतर्मन के द्वार खोलकर देखें तो वहां क्रोध, ईर्ष्या, मिथ्यात्व, अज्ञान, भय और अहंकार जैसे अनेक विकारों का कचरा दिखाई देगा। जब तक मन के भीतर भरे इन विकारों को पहचानकर बाहर नहीं निकाला जाएगा, तब तक आत्मशांति संभव नहीं है। साध्वीश्री ने फोड़े का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार शरीर का फोड़ा भीतर पीड़ा देता है और उसके फूटने पर ही मवाद निकलकर राहत मिलती है, उसी प्रकार मिथ्यात्व और अज्ञानता भी मन का ऐसा ही फोड़ा है, जो निरंतर आत्मा को पीड़ा पहुंचाता रहता है। इन दोषों को स्वीकार कर दूर करना ही सच्चा आत्मकल्याण है।

उन्होंने कहा कि प्रशंसा, पद और प्रतिष्ठा क्षणिक सुख अवश्य देते हैं, लेकिन यदि उनसे अहंकार बढ़ जाए तो व्यक्ति भीतर से खोखला हो जाता है। अहंकार ही जीवन में कटुता का कारण बनता है। इसलिए जीवन को नीम के पत्तों जैसा कड़वा नहीं, बल्कि गुलाब के पुष्प जैसा सुगंधित, कोमल और मधुर बनाना चाहिए। व्यवहार में सरलता, सहजता और विनम्रता होगी तो लोग स्वतः ही आपके निकट आएंगे। जहां अहंकार होता है, वहां विनम्रता का स्थान नहीं रहता। इसलिए अहंकार रूपी कैंची का ऑपरेशन कर उसे जीवन से बाहर करना आवश्यक है। सभा में साध्वीश्री प्रियशुभांजनाश्री जी ने कहा कि धर्म केवल पूजा, सामायिक या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ शैली है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति की वाणी, व्यवहार और विचारों में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। जो धर्म से दूर होता है, वह अनेक दोषों से जुड़ जाता है और कभी-कभी धर्मनिंदा का कारण भी बन जाता है। चातुर्मास की महत्ता बताते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं को अभी से आराधना की योजना बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जीवन में पाप और पुण्य का उतार-चढ़ाव चलता रहेगा, किंतु सच्चा ज्ञान तभी प्राप्त होता है जब धर्म को जानने और आत्मचिंतन का पुरुषार्थ किया जाए। चातुर्मास आत्मनिरीक्षण, आत्मशुद्धि और जीवन को धर्ममय बनाने का श्रेष्ठ अवसर है। दूसरों को नीचे गिराने के बजाय स्वयं को ऊंचा उठाने का प्रयास करें। भीतर झांकने और प्रत्येक विचार एवं कर्म को सजगता से देखने का पुरुषार्थ ही अंततः आत्मप्रकाश, पुण्य और ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करता है।

गांधीनगर में श्री उत्सव प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ, पहले दिन दिखा अच्छा रेस्पांस

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने आयोजित की दो दिवसीय प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा दो दिवसीय श्री उत्सव' प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ शनिवार को किया गया। श्रद्धा संगीत मंडल द्वारा प्रेरणा गीत संगान से उद्घाटन सत्र की शुरुआत हुई। सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल परिवार एवं अन्य अतिथियों व प्रायोजकों ने फीता काटकर श्री उत्सव का उद्घाटन किया। महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि श्री उत्सव एक आयोजन ही नहीं बल्कि एक क़दम स्वावलंबन की ओर का ऐसा मंच है जो हर महिलाओं की प्रतिभा आत्मनिर्भरता और सृजनशीलता को नई पहचान देता है।

अखिल भारतीय महिला मंडल की कर्नाटक क्षेत्र संयोजिका वीणा बैद ने कहा कि गांधीनगर शाखा की उर्वरा शक्ति, कर्मजा शक्ति और समर्पण भाव ने हमेशा कार्यकर्ताओं का निर्माण किया है। कर्नाटक प्रभारी ख़ामोशी मेहर ने कहा कि स्वावलंबन की दिशा में आयोजित श्री उत्सव अति व्यवस्थित एवं सराहनीय है। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने कहा कि महिलाएँ घर और बाहर दोनों को बैलेंस करते हुए आज देश और समाज में अपनी एक सराहनीय भूमिका और अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने मंडल की प्रशंसा करते हुए कहा कि गांधीनगर महिला मंडल बहुत अच्छा काम कर रहा है।

महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर सभा के उपाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, मंत्री सुभाष पोखरना, तेयुप के अध्यक्ष विनोद कोठारी सहित बड़ी संख्या में संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। मंडल की मंत्री विजेता रायसोनी ने श्री उत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए मंडल के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में डिज़ाइनर ड्रेसेस, ज्वेलरी, हस्तनिर्मित कलाकृतियाँ, बंदनवाल, किचन आइटम, राखियां, बेडशीट, रेज़िन आर्ट, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री सहित खानपान के स्टॉल भी ग्राहकों को खूब लुभा रहे है। इस प्रदर्शनी में कुल 75 नामी गिरामी ब्रांडों के स्टॉल लगाए गए, पहले दिन लगभग एक हजार से अधिक संभावित ग्राहकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया तथा जमकर खरीददारी की।

इस मौके पर मुख्य प्रायोजक प्रकाश बाबेल परिवार, महेश सवाई केटरर्स, संतोष गिरिया परिवार, सिंपलीसाइट प्रोडक्शन, लाफिंग वाटर प्रोडक्शंस, सुनील धारीवाल, छित्तरमल सुराना, जितेन्द्र आंचलिया आदि अन्य सहयोगियों व अतिथियों का सम्मान किया गया। मंडल की उपाध्यक्षा एवं कार्यक्रम की संयोजिका किरण गिलुण्डिया एवं मंत्री विजेता रायसोनी ने विभिन्न संत्रों का संचालन किया। अन्य संयोजिका सचिता मेहता, स्टाल संयोजिका मीना छाजेड़, रेखा भंसाली, सहमंत्री वीणा पोरवाल, विनीता मरोठी, संगठन मंत्री प्रमिला धोका, प्रचार प्रसार मंत्री संगीत आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा, कान्ता लोढ़ा, निर्मला सोलंकी, परामर्शिका वसंता रायसोनी, संरक्षिका आशा धारीवाल व टीम ने उपस्थित होकर व्यवस्था संभाली। कार्यसमिति सदस्य बिंदु रायसोनी ने आकर्षक लक्की डॉ की व्यवस्था संभाली।

कर्नाटक बिहारी समाज ने शुरू किया आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में रहने वाले जरूरतमंद एवं पात्र लोगों को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड बनाने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कर्नाटक बिहारी समाज एवं सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में केम्पापुरा स्थित हीरा केटरर्स के परिसर में निशुल्क आयुष्मान भारत-आरोग्य कर्नाटक कार्ड शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाज के वरिष्ठ सदस्य बिजय शंकर सिंह एवं शैल कुमारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ निश्चित आर. उपस्थित थे। सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट की ओर से डॉ श्वेता जीएच, डॉ श्वेता एस. तथा डॉ मानसा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों ने मिलकर इस अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ निश्चित ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सेवा व कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड बनाने का अभियान पूरे वर्ष निरन्तर संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अन्तर्गत पात्र लोगों का पंजीकरण, आवश्यक मार्गदर्शन तथा स्वास्थ्य कार्ड बनाने में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई गई।

कर्नाटक बिहारी समाज के संस्थापक उदय सिंह, अध्यक्ष प्रो.(डॉ) विनय कुमार यादव तथा समन्वयक हीरालाल मंडल के नेतृत्व में यह जनहित अभियान शुरू किया गया। प्रो.विनय कुमार यादव ने समाज के सभी पात्र नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने तथा अपने परिवार और आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी इस आयोजन से जोडने की अपील की है। उन्होंने बताया इस अभियान को पूरे कर्नाटक में विस्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जेबीएन बिजनेस कॉनक्लेव

जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो)चेन्नई चैप्टर द्वारा आयोजित दो दिवसीय जेबीएन बिजनेस कॉनक्लेव 2.0 का उद्घाटन रायपेटा स्थित वाईएमसीए ग्राउंड में सवेरा होटल की प्रबंध निदेशक सुश्री नीना रेड्डी, के. षणमुगम एवं सरण्नया जयकुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जीतो चेन्नई चैप्टर द्वारा व्यावसायिक अवसर सृजित करने के उद्देश्य से इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी में विभिन्न उत्पादों के कई स्टॉल्स लगाए गए है।

इंडियन बैंक के कुल कारोबार में 13 फीसदी से अधिक की वृद्धि

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक इंडियन बैंक द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बैंक ने जून 2026 को समाप्त तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है । बैंक के कुल कारोबार में 13.66 प्रतिशत की वृद्धि और सकल अग्रिमों में 13.89 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है । इसके साथ ही जमा राशियों में 13.47 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ कासा अनुपात 39.73प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस दौरान बैंक का निवल लाभ 3273 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.09 प्रतिशत अधिक है। परिचालनगत लाभ 16.50 प्रतिशत बढ़कर 5557 करोड़ रुपए और निवल ब्याज आय 16.92 प्रतिशत बढ़कर 7435 करोड़ रुपए हो गया है । देशी एनआइएम 3.41प्रतिशत तक सुधरा और आस्ति गुणवत्ता में मजबूत प्रदर्शन दर्ज हुआ । जीएनपीए घटकर 1.86 प्रतिशत और एनएनपीए 0.15 प्रतिशत हो गया। प्रावधान कवरेज अनुपात 98.22 प्रतिशत रहा। ऋण लागत घटकर 0.23 प्रतिशत हो गई। वर्तमान में बैंक की कुल 6003 शाखाएं, 5676 एटीएम और 17,314 बैंक मित्र पूरे देश में कार्यरत है । डिजिटल लेन-देन में बैंक की 95 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ता 22 प्रतिशत बढ़कर 2.48 करोड़ हो गए है। बैंक को हाल ही में बेस्ट पीएसबी अवॉर्ड, गोल्डन पीकॉक एआइ अवॉर्ड और कई अन्य सम्मान भी प्राप्त हुए। इंडियन बैंक ने ग्राहकों को सरल, त्वरित और उत्कृष्ट बैंकिंग अनुभव देने का अपना विश्वास और दृढ़ करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की है ।

शक्ति-सेलिब्रेटिंग वुमन एंटरप्रेन्योर्स कार्यक्रम में महिलाओं ने दिखाया उत्साह

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग के जेबीएन स्वयम के तत्वावधान में 'शक्ति-सेलिब्रेटिंग वुमन एंटरप्रेन्योर्स' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 महिलाओं ने भाग लिया। साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी के सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के सपनों, संभावनाओं और आत्मविश्वास का उत्सव है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुभा जैन ने कहा कि यदि इच्छाशक्ति दृढ़ हो तो अवसर स्वयं रास्ता बना लेते हैं और कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। इस अवसर पर डॉ. अनुभा जैन ने जेबीएन स्वयम वीप्रेन्योर डायरेक्टरी का विमोचन भी किया। जेबीएन एपेक्स सचिव मनोज कोचर ने छोटे शहरों और साधारण पृष्ठभूमि से आगे बढ़कर सफलता प्राप्त करने वाली महिलाओं के प्रेरक उदाहरण साझा करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन से हर महिला अपनी अलग पहचान बना सकती है। इसके पश्चात केकेजी ज़ोन जेबीएन संयोजक तुषार बाफना, स्वयम एपेक्स सह संयोजक रिंकू भंसाली ने अपने अनुभव साझा किए।

आचार्य तुलसी की पुण्यतिथि विसर्जन दिवस के रूप में मनाई गई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल, हनुमंतनगर द्वारा गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी की 30वीं पुण्यतिथि विसर्जन दिवस के रूप में मुनिश्री विनीत कुमार जी एवं आकाश कुमार जी के सान्निध्य में मनाई गई। अध्यक्ष संगीता तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। मुनिश्री विनीत कुमार जी ने आचार्यश्री तुलसी के विसर्जन की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुनिश्री आकाशकुमारजी, पुनीतकुमारजी, हितेन्द्रकुमारजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मंजू दक ने किया। मंत्री पपीता दक ने धन्यवाद दिया।

मातृछाया सेवा कार्य :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा राजस्थान के जालोर शहर में जागृति जन सेवा संस्थान में दिव्यांग बच्चों के आश्रम में सेवा कार्य किया। इस अवसर पर बच्चों को ड्राई फ्रूट्स व दैनिक आवश्यकताओं की उपयोगी सामग्री भी भेंट की गई। इस मौके पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, ललिता ए. नागोरी, ममता नागोरी, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी उपस्थित थीं। मातृछाया की सदस्याएं कर्नाटक सहित राजस्थान, गुजरात में भी मानवसेवा कार्य करती हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.